आर.एन.आई नं. 69777/98 / डाक पंजीयन-मालवा डिवीजन/328/2020-22

दैनिक

हिन्दकुश

hindkush.in jagrayam.com

वर्ष - 27 | अंक - 214 | उज्जैन, मंगलवार 24 जून 2025 | कुल पृष्ठ - 8, | कीमत -1 रूपया

प्रधानमंत्री श्री मोदी से मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने की मुलाकात

प्रदेश के विभिन्न जनकल्याणकारी कार्यक्रमों में शामिल होने का दिया आमंत्रण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोमवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी से भेंट कर प्रदेश में चलाई जा रही विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी और उन्हें मध्यप्रदेश में विकास कार्यों के लोकार्पण और भूमि-पूजन कार्यक्रमों के लिए मध्यप्रदेश आने के लिए आमंत्रित किया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि जल संरक्षण के उद्देश्य से प्रदेश में 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा है। अभियान्तर्गत खंडवा जिला भूगर्भ-जल भंडारण में पूरे देश में प्रथम आया है और मध्यप्रदेश ने शीर्ष चार राज्यों में स्थान बनाया है। उन्होंने कहा कि इस अभियान की प्रेरणा गुजरात सरकार से मिली है, जहाँ पुराने कुएं, बावड़ियों, नदी तटों का जीर्णोद्धार कर भूगर्भ-जल भंडारण के विशेष काम किये गये हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को अभियान के समापन कार्यक्रम में वर्चुअल रूप से सम्मिलित होकर आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रण दिया, जिसे प्रधानमंत्री श्री मोदी ने सहर्ष स्वीकार किया है।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में चार स्तंभों-गरीब, युवा, अन्नदाता और नारी के विकास की दिशा में चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि किसानों की आय बढ़ाने, खाद्य प्र-संस्करण इकाइयों को बढ़ावा देने और कृषि आधारित उद्योगों के नए अवसर सृजिन करने के उद्देश्य से आगामी 12-13 और 14 अक्टूबर को सीहोर जिले में 2 लाख से अधिक किसानों का वृहद सम्मेलन आयोजित किया जा रहा है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रधानमंत्री श्री मोदी को इस सम्मेलन के उद्घाटन करने के लिए निमंत्रण दिया।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि प्रदेश में केंद्र सरकार के सहयोग से जनजातीय अंचल धार में पीएम मित्र टेक्सटाइल पार्क विकसित किया जा रहा है। उन्होंने पार्क के भूमि-पूजन और औद्योगिक खंडों के आवंटन के लिए भी प्रधानमंत्री श्री मोदी को आमंत्रण दिया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि भोपाल में मेट्रो ट्रेन इस वर्ष अक्टूबर माह तक प्रारंभ हो जाएगी, प्रधानमंत्री श्री मोदी को इसका करने का न्यौता भी दिया।

ईरान से वापस लाए गए सभी भारतीय

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान में जारी संघर्ष के बीच भारत सरकार ने ऑपरेशन सिंधु के तहत अपने नागरिकों को सुरक्षित वापस लाने का काम तेज कर दिया है। रविवार रात को एक और विशेष उड़ान के जरिए 285 भारतीय नागरिकों को भारत लाया गया, जिससे अब तक कुल 1,713 भारतीयों को सुरक्षित निकाला जा चुका है।

285 नागरिक दिल्ली पहुंचे- रविवार रात 11:30 बजे माशहद, ईरान से चली विशेष उड़ान नई दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरी। विदेश राज्य मंत्री पबित्रा मार्गेरिटा ने खुद एयरपोर्ट पर भारतीय नागरिकों का स्वागत किया। विदेश मंत्रालय ने एक्स पर पोस्ट कर बताया कि ऑपरेशन सिंधु के तहत यह अब तक की कुल आठवीं फ्लाइट थी।

भारतीयों की भावुक प्रतिक्रियाएं- ईरान से लौटे लोगों ने भारत सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया...

लखनऊ के फजल अब्बास ने कहा- बहुत अच्छा लग रहा है। पीएम मोदी हम सबको परिवार की तरह मानते हैं। उन्होंने हमें ईरान के कोनों से निकाल कर घर वापस पहुंचाया।

एक अन्य प्रवासी एसएन जैदी ने कहा- हमारी सरकार, दूतावास और विदेश मंत्रालय का धन्यवाद करता हूं।

Strait of Hormuz को बंद करने की योजना बना रहा है ईरान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी एशिया में बढ़ते तनाव के बीच भारत सरकार तेल और गैस की आपूर्ति और कीमतों पर पैनी नजर रखे हुए है। खबरों के मुताबिक, अमेरिका की ओर से ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर हमले के बाद ईरान हॉर्मुज जलडमरूमध्य को बंद करने की योजना बना रहा है। यह जलडमरूमध्य दुनिया के पांचवें हिस्से के तेल और गैस की आपूर्ति का अहम रास्ता है।

भारत इस रास्ते से अपनी तेल जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। अगर ये बंद होता है तो इससे प्रभाव पड़ने की आशंका रहती है। हालांकि, सरकार ने भरोसा दिलाया है कि जनता को ईंधन मिलता रहेगा और आपूर्ति में कमी नहीं होगी। पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने कहा कि भारत पिछले दो हफ्तों से मध्य पूर्व के हालात पर नजर रख रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में तेल आपूर्ति के स्रोतों में विविधता लाने की बात कही।

भारत को बहुत ही सावधान रहने की जरूरत, इजरायल-ईरान युद्ध पर जेएनयू के पूर्व डीन ने क्यों कही ये बात?

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान के परमाणु ठिकानों पर अमेरिकी हमले के बाद इजरायल और ईरान के बीच तनाव और बढ़ गया है। इसको लेकर भारत के नजरिए की भी चर्चा हो रही है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में स्कूल ऑफ इंटरनेशनल स्टडीज के पूर्व डीन प्रोफेसर अश्विनी कुमार महापात्रा ने इस बारे में अपने विचार साझा किए कि भारत इस जटिल स्थिति से कैसे निपट सकता है। एएनआई से बात करते हुए प्रोफेसर अश्विनी कुमार महापात्रा ने इस बात पर जोर दिया कि भारत को सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए, जल्दबाजी में फैसले लेने से बचना चाहिए और संतुलित विदेश नीति बनाए रखनी चाहिए। उन्होंने सुझाव दिया कि भारत इजरायल और ईरान को बातचीत में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करके और बातचीत के जरिए समाधान को बढ़ावा देकर भूमिका निभा सकता है।

भारत को करना चाहिए इंतजार- महापात्रा ने कहा, हमें कुछ समय तक इंतजार करना होगा और उसके बाद उचित अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत को शांतिपूर्ण समाधान के लिए अपनी स्थिति स्पष्ट करनी होगी और अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को क्षेत्र में शांति और स्थिरता स्थापित करने पर केंद्रित करना होगा। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से भारत को फायदा होगा, क्योंकि हमारे पास भारत-मध्य पूर्व आर्थिक गलियारा जैसी बड़ी योजनाएं हैं और उत्पादक आर्थिक संबंध हैं।

सोनिया गांधी के बयान पर इजरायली राजदूत की प्रतिक्रिया...

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस संसदीय दल की नेता सोनिया गांधी के ईरान का समर्थन करने पर भारत में इजरायल के राजदूत रुवेन अजर्म ने कहा है कि लोगों को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन क्षेत्र में तीन दशकों से चल रहे ईरानी आक्रमण की अनदेखी करना पूरी तरह से अस्वीकार्य है।

रुवेन ने एक साक्षात्कार में कहा कि राजनेताओं को जानकारी होनी चाहिए। हमें यह देखकर निराशा हुई कि उन्होंने (सोनिया गांधी) अक्टूबर में हुए हमलों की भी उस तरह निंदा नहीं की थी, जिस तरह की निंदा की जानी चाहिए।

रुवेन का बयान- उन्होंने कहा, लोगों को अपनी राय रखने का अधिकार है, लेकिन हमें वास्तविकता और तथ्यों पर अधिक ध्यान देना चाहिए, ताकि हर कोई समझ सके कि ईरान आक्रामक है। जब ईरान हमें नष्ट करने के लिए हथियार हासिल करने जा रहा था, तब इजरायल के पास कार्रवाई करने के अलावा कोई विकल्प नहीं था। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ईरान के राष्ट्रपति के बीच बातचीत के बारे में सवाल पर रुवेन ने कहा कि अगर ईरान अन्य देशों को नष्ट करने की कोशिश करने से परहेज करने के लिए प्रतिबद्ध है, अपने परमाणु व बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रमों को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है और क्षेत्र में अपनी आक्रामकता रोकने के लिए प्रतिबद्ध है, तो हम निश्चित रूप से कूटनीति की ओर वापस जा सकते हैं। यह पूछे जाने पर क्या इजरायल अयातुल्ला अली खामेनेई को खत्म करने के करीब है, रुवेन ने कहा कि हम कोई विकल्प को नहीं छोड़ रहे हैं।

हाई कोर्ट के जजों की आचार संहिता पर चर्चा की तैयारी में संसदीय समिति

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक संसदीय समिति हाई कोर्ट में न्यायाधीशों के लिए आचार संहिता बनाने पर चर्चा करने के लिए तैयार है, जबकि सरकार दिल्ली हाई कोर्ट के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस यशवंत वर्मा के खिलाफ महाभियोग प्रस्ताव लाने की तैयारी कर रही है।

लिहाजा कर्मचारी, जन शिकायतें, कानून और न्याय संबंधी मामलों पर एक संसदीय स्थायी समिति मंगलवार को एक बैठक में इस मुद्दे पर चर्चा करेगी और जजों की सेवानिवृत्ति के बाद के कार्यों पर भी विचार करेगी।

शशि थरूर ने की पीएम मोदी तारीफ

नई दिल्ली (एजेंसी)। कुछ मुद्दों को लेकर पार्टी के साथ चल रहे कथित मतभेदों के बीच कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री मोदी की तारीफों के पुल बांधे हैं। उन्होंने कहा है कि प्रधानमंत्री की ऊर्जा, जोश और लोगों से जुड़ने की उनकी इच्छा, देश के लिए एक संपत्ति है। शशि थरूर ने ये बातें द हिंदू के लिए लिखे गए एक लेख में कही हैं। शशि थरूर ने इस लेख में ऑपरेशन सिंदूर के बाद भेजे गए डेलिगेशन के अनुभव भी साझा किए हैं। उन्होंने इसे कूटनीति के स्तर पर बेहद सफल दौरा बताया है।

शशि थरूर ने लिखा है कि पहलगाम हमले के बाद भारत ने जिस तरह ऑपरेशन सिंदूर के जरिए कड़ी प्रतिक्रिया दी, उतनी ही अहम भारत द्वारा भेजे गए डेलिगेशन के जरिए कूटनीतिक बातचीत भी थी। उन्होंने लेख में कहा है, 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम आतंकी हमले के बाद ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत की दृढ़ प्रतिक्रिया बेहद जरूरी थी। जैसे तत्काल सैन्य कार्रवाई निर्णायक साबित हुई, वैश्विक धारणाओं को आकार देने में उसके बाद की कूटनीतिक पहुंच उतनी ही महत्वपूर्ण थी।

बता दें कि शशि थरूर गुयाना, पनामा, कोलंबिया, ब्राजील और अमेरिका भेजे गए डेलिगेशन का हिस्सा थे। उन्होंने कहा है कि सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडलों में से एक का नेतृत्व करना एक अनूठा दृष्टिकोण प्रदान करता है। उन्होंने कहा है कि इस डेलिगेशन की सबसे खास बात यह थी कि इसने एक मजबूत विदेश नीति की आवाज को पूरे विश्व में स्थापित किया। उन्होंने कहा, हमारे प्रतिनिधिमंडल की संरचना, जिसमें विभिन्न राजनीतिक दल, राज्यों और धर्मों के संसद सदस्य शामिल थे, ने इस बात को रेखांकित किया कि जब राष्ट्रीय सुरक्षा और आतंकवाद का सामना करने की बात आती है, तो भारत एक स्वर में बोलता है।

उन्होंने यह भी कहा कि डेलिगेशन ने ऑपरेशन सिंदूर पर दुनिया को स्पष्टता प्रदान की। इस दौरान इस बात पर जोर दिया दिया गया कि भारत की कार्रवाई कितनी जरूरी थी। कोलंबिया द्वारा पाकिस्तानी नागरिकों के हताहत होने के अपने प्रारंभिक बयान को वापस लेना और भारत के प्रति समर्थन की पुनः पुष्टि करना कूटनीतिक जीत का प्रतीक है। उन्होंने बताया कि डेलिगेशन ने पाकिस्तान और आतंकवाद के बीच सांठ-गांठ को एक बार फिर पूरी दुनिया के सामने लाने का काम किया।

उन्होंने अंत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और लोगों से जुड़ने की इच्छा की सराहना की। उन्होंने कहा कि पीएम मोदी की यह खूबियां वैश्विक मंच पर भारत के लिए एक प्रमुख संपत्ति है।

इजरायल ने ईरान के कई एयरफील्ड को नुकसान पहुंचाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच जंग लगातार पैर पसार रही है। दोनों देश पीछे हटने का नाम नहीं ले रहे हैं। अमेरिका की ओर से ईरान के न्यूक्लियर ठिकानों पर हमले के बाद अब इजरायली सेना ने भी ईरान के कई एयरबेस को तबाह कर दिया है।

इजरायली फौज ने कहा कि उसने ईरान के पश्चिमी, पूर्वी और मध्य हिस्सों में कम से कम छह हवाई अड्डों पर हवाई हमले किए और हवाई पट्टियों को तबाह कर दिया। एक्स पर पोस्ट किए गए एक बयान में, इजरायली डिफेंस फोर्सेज ने बताया कि 15 से ज़्यादा रिमोटली नियंत्रित इजरायली विमानों ने इन सटीक हमलों को अंजाम दिया।

इजरायली बयान में कहा गया, इन हमलों ने रनवे, जमीन के नीचे बने बंकर, एक ईंधन भरने वाले विमान और ईरानी हुकूमत के F-14, F-5 और AH-1 विमानों को नुकसान पहुंचाया।

IDF ने अपने पोस्ट में एक तस्वीर भी साझा की, जिसमें तेहरान के मेहराबाद, मशहद और देजफुल हवाई अड्डों को निशाना बनाए जाने की बात कही गई।

15 फाइटर जेट से ईरान में घुसे इजरायली सैनिक- IDF ने टेलीग्राम पर एक मैसेज में कहा, IDF इंटेलिजेंस निदेशालय की सटीक खुफिया जानकारी के आधार पर, 15 से ज़्यादा द्रूस्न लड़ाकू विमानों ने ईरान के करमानशाह इलाके में हमला किया, जहां जमीन से जमीन पर मार करने वाली कई मिसाइल लॉन्च और भंडारण साइटों को तबाह कर दिया गया। IDF ने आगे कहा, हमारी फौज ईरानी हुकूमत की सैन्य ताकत को कम करने और इजरायल की सरहद की हिफाजत के लिए ईरानी हवाई क्षेत्र में अपनी पैठ बनाए रखने की कोशिश जारी रखेगी।

अपनी सलामती के लिए हम कुछ भी करेंगे- इजरायली फौज का कहना है कि ये हमले ईरान की सैन्य ताकत को कमज़ोर करने और इज़रायल की हिफाज़त के लिए किए गए। इन हमलों से ईरानी हवाई अड्डों से उड़ान भरने की क्षमता को बड़ा नुकसान पहुंचा है। IDF ने अपने बयान में यह भी जोर दिया कि वह इजरायल की अमन और सलामती के लिए लगातार काम कर रही है और ईरानी फौज की गतिविधियों पर नजर रखे हुए है।

बांग्लादेश में पूर्व चुनाव आयुक्त की जूतों से पिटाई, भीड़ ने मारे अंडे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बांग्लादेश के पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त केएम नूरुल हुदा को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन पर अपने कार्यकाल के दौरान चुनावों में हेराफेरी करने का आरोप लगा है। इस बात की जानकारी पुलिस ने दी।

ढाका महानगर पुलिस क डिप्टी कमिश्नर मोहिदुल इस्लाम ने रविवार (22 जून, 2025) को बताया कि हुदा को हुदा को पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (बीएनपी) की ओर से पूर्व चुनाव आयोग प्रमुख और अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत 18 अन्य के खिलाफ दर्ज मामले में गिरफ्तार किया गया है।

हुदा को भीड़ ने जूतों से पीटा- सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो में लोगों का एक समूह हुदा को जूतों से पीटता, उन्हें जूतों की माला पहनाता और उनके ऊपर अंडे फेंकता हुआ दिखाई दे रहा है। वीडियो में भीड़ उन्हें गंदी भाषा में गालियां देती और पुलिस के मौके पर पहुंचने के बाद भी उन्हें पीटती नजर आ रही है। हुदा पर हमले से सोशल मीडिया पर हंगामा मच गया, जिसके कारण मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार को आधी रात के आसपास एक बयान जारी करना पड़ा।

बांग्लादेश में पहली बार चुनाव आयुक्त गिरफ्तार- डेली स्टार अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, चुनाव आयोग के अधिकारियों ने कहा कि यह शायद पहली बार है कि किसी पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्त को चुनाव से जुड़े मुद्दों पर हिरासत में लिया गया है। उत्तरा पश्चिम पुलिस स्टेशन के प्रमुख हफीजुर रहमान ने कहा, हमें सूचना मिली थी कि भीड़ ने हुदा को घेर लिया है, जिसके बाद हम घटनास्थल पर गए। हमने उसे हिरासत में ले लिया है।

क्या है मामला- बीएनपी ने हुदा समेत 19 लोगों के खिलाफ हसीना शासन के तहत 2014, 2018 और 2024 में आम चुनाव लोगों के जनादेश के बिना कराने का मामला दर्ज कराया है। हसीना ने इन सभी चुनावों में जीत हासिल की थी।

ईरान को कई देश देंगे न्यूक्लियर हथियार... ख्वाब से बाहर निकलें ट्रंप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इस्तांबुल में इस्लामी सहयोग संगठन की बैठक के दौरान ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने ऐलान किया कि वह सोमवार को रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से मिलने मॉस्को जाएंगे। यह फैसला अमेरिका की ओर से ईरान के तीन अहम परमाणु ठिकानों पर हवाई हमलों के बाद लिया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इन हमलों का आदेश दिया। ट्रंप प्रशासन ने इन हमलों के ईरान को परमाणु हथियार बनाने से रोकने के लिए जरूरी कदम बताया है। अराघची ने इन हमलों की कड़ी आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि यह अंतरराष्ट्रीय कानून का खुला उल्लंघन है।

अराघची ने कहा, रूस ईरान का दोस्त है, हम हमेशा एक-दूसरे से सलाह करते हैं। मैं आज दोपहर मॉस्को जा रहा हूं ताकि कल सुबह रूसी राष्ट्रपति से गंभीर बातचीत कर सकूं। उन्होंने चेतावनी दी कि ईरान संयुक्त राष्ट्र चार्टर के अनुच्छेद 51 के तहत अपनी रक्षा का अधिकार इस्तेमाल करेगा।

मेदवेदेव का ट्रंप पर हमला- मॉस्को में रूस के पूर्व राष्ट्रपति और सुरक्षा परिषद के उपाध्यक्ष दिमित्री मेदवेदेव ने ट्रंप पर तीखा हमला बोला।

अंधेरे में डूबे इजरायल के शहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल एक दूसरे के खिलाफ लगातार मिसाइल और ड्रोन हमले को अंजाम दे रहे हैं। एक तरफ जहां इजरायल के बाद अमेरिका ने भी ईरान के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। वहीं, दूसरी तरफ ईरान की ओर से लगातार इजरायल पर मिसाइलें दागी जा रही हैं। ईरान के हमले के इजरायल को भी जबरदस्त नुकसान पहुंचा है।

ईरान ने इजरायल के कई रिहायशी इलाकों पर हमले किए हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक, ईरान ने अब तक इजरायल पर 400 मिसाइलें दागीं हैं, जिसकी वजह से इजरायल में 24 लोगों की मौत हो चुकी है वहीं, 804 लोग घायल हुए हैं। दूसरी तरफ ईरान में 224-585 लोग मारे गए हैं।

भीषण बिजली कटौती का सामना कर रहा इजरायल- इसी बीच इजरायल इलेक्ट्रिक कॉरपोरेशन ने सोमवार को कहा कि ईरान ने इजरायल के कई महत्वपूर्ण ठिकानों पर बमबारी की है, जिसकी वजह से इजरायल को बिजली कटौती का सामना करना पड़ रहा है। IEC टीमें बुनियादी ढांचे की मरम्मत कर रही हैं और सुरक्षा खतरों को दूर कर रही हैं।

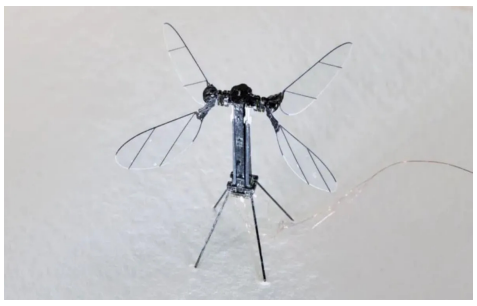

चीन ने बनाया दुनिया का सबसे छोटा मच्छर वाला ड्रोन, कैसे करेगा काम और कितने गंभीर होंगे परिणाम

नई दिल्ली (एजेंसी)। चीन ने मिलिट्री ऑपरेशन्स के लिए एक छोटे से मच्छर के आकार का ड्रोन विकसित किया है। इस माइक्रो ड्रोन को सेंट्रल चीन के हुनान प्रांत में स्थित नेशनल यूनिवर्सिटी ऑफ डिफेंस टेक्नोलॉजी की रोबोटिक्स प्रयोगशाला ने विकसित किया है।

साउथ चाइना मॉर्निंग पोस्ट के मुताबिक, माइक्रो ड्रोन छोटे और कॉम्पैक्ट ड्रोन होते हैं जिनका इस्तेमाल सैन्य और रक्षा के अलावा अलग-अलग चीजों के लिए किया जा सकता है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इस प्रोटोटाइप को शोधकर्ताओं की ओर से सीसीटीवी 7 (चीन सेंट्रल टेलीविजन के सैन्य चैनल) पर प्रसारित किया गया।

किस तरह के मिशन में काम आएगा मच्छर ड्रोन- एनयूडीटी के एक छात्र लियांग हेक्सियांग ने अपने हाथ में छोटा सा ड्रोन पकड़ते हुए सीसीटीवी को बताया, मेरे हाथ में मच्छर जैसा एक रोबोट है। इस तरह के छोटे बायोनिक रोबोट विशेष रूप से सूचना टोही और युद्ध के मैदान में विशेष मिशनों के लिए उपयुक्त हैं। मच्छर के आकार के इस ड्रोन में कथित तौर पर दो छोटे पंख थे, जिनके दोनों ओर पत्ती जैसी संरचनाएं थीं। इसमें तीन बाल जितने पतले पैर भी थे। इसे स्मार्टफोन से नियंत्रित किया जाता था और यह लगभग एक मच्छर (लगभग 1.3 सेंटीमीटर लंबा) के बराबर था।

मिलिट्री ऑपरेशन के लिए कारगर साबित हो सकते हैं ऐसे ड्रोन- ऐसे माइक्रो ड्रोन गुप्त सैन्य अभियानों के लिए महत्वपूर्ण साबित हो सकते हैं, क्योंकि इनका उपयोग निगरानी या टोही मिशनों के लिए आसानी से पता लगाए बिना किया जा सकता है। वे आपातस्थिति में मलबे के बीच से जीवित बचे लोगों का पता लगा सकते हैं। उनकी छोटी बैटरियों के कारण आमतौर पर उनकी उड़ान का समय कम होता है।

ईरान ने दी डोनाल्ड ट्रंप को चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। इजरायल और ईरान के बीच चल रहे युद्ध के बीच में अमेरिका ने भी ईरान के तीन प्रमुख परमाणु ठिकानों पर हमला किया, जिसको लेकर ईरान की सेना ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को चुनौती देते हुए कहा कि आप इसे शुरू कर सकते हैं लेकिन इसका अंत हम ही करेंगे।

सोमवार (23 जून, 2025) को शेयर किए गए वीडियो में ईरान के खतम अल-अनबिया केंद्रीय मुख्यालय के प्रवक्ता ने कहा कि संयुक्त राज्य अमेरिका की हालिया शत्रुतापूर्ण कार्रवाई ने ईरान के सशस्त्र बलों के लिए दायरा बढ़ा दिया है। अमेरिका ने जो किया है, उसके लिए उसे गंभीर परिणाम भुगतने होंगे। रिकॉर्ड किए बयान के अंत में अंग्रेजी में कहा गया, मिस्टर ट्रंप, एक गैंबलर आप इस युद्ध को शुरू तो कर सकते हैं, लेकिन खत्म हम ही करेंगे।

ईरान के सैन्य ठिकानों पर इजरायल का हमला- इजरायल की सेना ने दावा किया है कि उसने सोमवार को पश्चिमी ईरान में सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल लॉन्चिंग पैड्स पर हमला किया है। सेना ने एक बयान जारी करते हुए कहा कि 15 से अधिक लड़ाकू विमानों ने पश्चिमी ईरान के करमानशाह क्षेत्र पर हमला किया। इस हमले में इजरायल की ओर टारगेट किए जाने वाले मिसाइल लॉन्चिंग पैड्स निष्क्रिय हो गए। इससे पहले जारी एक बयान में कहा गया था कि वायुसेना फिलहाल ईरान के करमानशाह में सैन्य बुनियादी ढांचे पर हमला कर रही है।

अमेरिका ने क्या कहा- रक्षा सचिव पीट हेगसेथ ने संवाददाताओं से कहा कि अमेरिका ईरान के साथ युद्ध नहीं चाहता, लेकिन तेहरान ने कहा कि कूटनीति का समय बीत चुका है और उसे अपनी रक्षा करने का अधिकार है।

ट्रंप का नोबेल नॉमिनेशन वापस लें..., शहबाज-मुनीर को अपने ही देश में मिलने लगी लानतें

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान और इजरायल के बीच सुलगते जंग के बीच पाकिस्तान के कई बड़े नेताओं और मशहूर हस्तियों ने सरकार से मांग की है कि वह अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को 2026 के नोबेल शांति पुरस्कार के लिए नामांकन के फैसले पर दोबारा विचार करे।

यह मांग तब सामने आई जब अमेरिका ने ईरान के तीन परमाणु ठिकानों पर बमबारी की। पाक सरकार ने शुक्रवार को अचानक ऐलान किया था कि वह हाल के भारत-पाकिस्तान तनाव में ट्रंप की कथित शांति प्रयासों के लिए उन्हें इस सम्मान के लिए नामित करेगी। इसके बाद पाकिस्तान में अब सरकार पर चापलूसी करने का आरोप लग रहा है।

उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री इशाक डार के हस्ताक्षर वाला एक सिफारिशी पत्र नॉर्वे की नोबेल शांति पुरस्कार समिति को भेजा जा चुका है। लेकिन अमेरिका की ओर से ईरान के फोर्दो, इस्फहान और नतांज परमाणु ठिकानों पर इजरायल के साथ मिलकर बमबारी के बाद यह फैसला आलोचना के घेरे में आ गया। 'डॉन' अखबार के मुताबिक, कई प्रमुख नेताओं ने इस फैसले की समीक्षा की मांग की है।

पलवल का जिला नागरिक अस्पताल, जो दस साल पहले बना था, अब जर्जर हो चुका है

नई दिल्ली (एजेंसी)। पलवल में जिला नागरिक अस्पताल की इमारत एक दशक पहले बनी थी, जो जर्जर होना शुरू हो चुकी है। अब इस जर्जर इमारत को नौ करोड़ की लागत से फिर से चमकाया जाएगा। अस्पताल की मरम्मत के लिए एस्टीमेट तैयार किया गया है। यह कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा किया जाएगा। एस्टीमेट भी इसी विभाग ने तैयार किया है। काम पूरा होने के बाद अस्पताल नए लुक में दिखेगा।

बता दें कि दो सौ बेड के इस अस्पताल का शुभारंभ 30 अगस्त 2014 को हुआ था। मात्र दस साल में ही इमारत जर्जर हो गई है। इमारत के पिलर, ईंटे और सरिए भी बाहर से दिखाई देते है। छत का लेंटर का प्लास्टर भी कई जगहों से झड़कर गिर चुका है। वर्षा के दौरान नागरिक अस्पताल की छत कई जगह से टपकती रहती है। पिलरों में बड़ी-बड़ी दरारें आ चुकी हैं। भवन में कई जगह लेंटर तक उखड़ा हुआ है। दीवारों को देख ऐसा लगता है कि बिल्डिंग को बने कई दशक बीत गए हो।

डाक्टरों के कक्षों को छोड़ दें तो वार्डों और अन्य कमरों की हालत ठीक नहीं है। जनरल वार्ड स्वास्थ्य विभाग के पैमानों पर खरे नहीं उतरते। स्थिति को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल की मरम्मत की अनुशंसा की। विभाग की अनुशंसा पर लोक निर्माण विभाग को यह जिम्मा दिया गया। विभाग ने एस्टीमेट तैयार कर लिया और मंजूरी के लिए भेज दिया है। एस्टीमेट के मुताबिक मरम्मत के कार्य पर करीब नौ करोड़ रुपये की लागत आएगी। मरम्मत का कार्य लोक निर्माण विभाग द्वारा ही करवाया जाएगा।इस बारे में लोक निर्माण विभाग के एसडीओ सिद्धार्थ देव ने बताया कि अभी एक करोड़ 60 लाख रुपये की लागत से जिला नागरिक अस्पताल में बने करीब 145 शौचालयों को नए सिरे से बनाया जाएगा।

एअर इंडिया विमान से टकराया पक्षी

नई दिल्ली (एजेंसी)। एअर इंडिया को तिरुवनंतपुरम से दिल्ली जाने वाली अपनी उड़ान रद करनी पड़ी। यह फैसला तब लिया गया जब दिल्ली से तिरुवनंतपुरम आने वाली उड़ान में पक्षी से टक्कर होने की आशंका जताई गई।

फ्लाइट AI2454 तिरुवनंतपुरम में सुरक्षित उतरने के बाद इस घटना का पता चला।

एअर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया, हमें खेद है कि 22 जून 2025 को तिरुवनंतपुरम से दिल्ली जाने वाली उड़ान AI2455 को रद करना पड़ा। पक्षी से टक्कर की आशंका के बाद विमान की गहन जांच की जरूरत पड़ी। यात्रियों की सुविधा के लिए हम हर मुमकिन कोशिश कर रहे हैं, जिसमें उन्हें ठहरने की व्यवस्था, रिफंड या मुफ्त में दूसरी फ्लाइट बुक करने का विकल्प शामिल है।

यात्रियों की सुरक्षा पहली प्राथमिकता- एअर इंडिया और एयर इंडिया एक्सप्रेस मिलकर हर दिन 1,100 से ज्यादा फ्लाइट्स उड़ान भरते हैं। इसमें हर रोज 1.5 लाख से अधिक यात्री सफर करते हैं। एअर इंडिया ने कहा, हमने अपनी उड़ानों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पहले से ही जांच को और सख्त कर दिया है।

बुलडोजर एक्शन से गांवों में मचा हड़कंप, चंद घंटों में ध्वस्त की अवैध कॉलोनियां

नई दिल्ली (एजेंसी)। हरियाणा के पलवल में जिला नगर योजनाकार विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध कॉलोनियों को ध्वस्त कर दिया। इस दौरान पुलिस बल मौजूद रहा। नगर योजनाकार विभाग को सूचना मिली थी कि इन गांवों में अवैध कॉलोनियां काटी जा रही हैं।

इसके बाद डीटीपी ने अपनी टीम के साथ मौके का निरीक्षण किया और कार्रवाई की। जानकारी के अनुसार, गढ़ी पट्टी में चार एकड़, भुलवाना में डेढ़ एकड़, खटैला में दो एकड़ और औरंगाबाद में डेढ़ एकड़ जमीन पर बिना किसी मंजूरी के कॉलोनियां काटी गई थीं। इन कॉलोनियों में कुछ लोगों ने मकान बनाने भी शुरू कर दिए थे।

डीटीपी अनिल मलिक ने कहा कि इस तरह की कॉलोनियों में कोई भी निर्माण करना गैर कानूनी है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि डीलरों के बहकावे में आकर अवैध कॉलोनियों में प्लॉट न खरीदें। क्योंकि अवैध कॉलोनियों में सरकार द्वारा किसी प्रकार की सुविधा नहीं दी जाती है। कोई भी निर्माण करने से पहले सरकार से नियम अनुसार अनुमति लें।

थाने के सामने युवक की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपित व उसके साथी को पनाह देने वाले आरोपित को पुलिस ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। गाजियाबाद जनपद में थाने के सामने युवक की गोली मारकर हत्या करने वाले आरोपित व उसके साथी को पनाह देने वाले आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है।

एसीपी मसूरी ने बताया कि 18 जून की रात को थाने के सामने रवि शर्मा की गोली मारकर हत्या करने के बाद मुख्य आरोपित मोंटी व उसके साथी अजय ने फोन करके खुर्रमपुर गांव के रोहित को बुलाया था। बुलाए जाने पर युवक मुरानगर पहुंचा था और दोनों को अपनी बाइक पर बिठाकर ले गया था। बाद में युवक ने दोनों को अपनी देकर भाग निकलने में भी सहायता की थी। पुलिस द्वारा पकड़े गए मुख्य आरोपित मोंटी ने पूछताछ के दौरान इस बारे में बताया था। पुलिस ने युवक की तलाश शुरू की। रविवार सुबह चेकिंग के दौरान वांछित रोहित को गिरफ्तार कर लिया। युवक बाइक द्वारा ढिंढार पुलिस से होते हुए गंगनहर की ओर जा रहा है। पकड़े युवक के खिलाफ संबंधित धाराओं में कार्रवाई की गई है।

यह है मामला- मिलक रावली गांव में 18 जून को रात को रास्ते से कार हटाने को लेकर हुए विवाद में मोंटी व उसके साथी अजय ने थाने के सामने गोली मारकर रवि शर्मा की हत्या कर दी थी। वारदात के समय रवि व उसके पिता रविंद्र थाने में शिकायत करने आए थे।

वहीं, मृतक के स्वजन द्वारा थाने के सामने हंगामा किए जाने पर डीसीपी ने दो दिन का समय मांगा था। तय मोहलत में मामले का पर्दाफाश करते हुए पुलिस व स्वाट टीम ने 20 जून को मुठभेड़ के बाद आरोपित मोंटी को गिरफ्तार कर लिया था। मुठभेड़ के दौरान जवाबी कार्रवाई में दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गया। आरोपित अजय पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया है।

हापुड़ में पुलिस मुठभेड़ के दौरान 20 हजार के इनामी बदमाश शहजाद को लगी गोली

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम यूपी के जिलों में वारदात करने वाले शातिर बदमाश शहजाद से शनिवार की रात पुलिस की मुठभेड़ हो गई थी। पुलिस की गोली लगने से बदमाश घायल हो गया। बदमाश गैंगस्टर एक्ट के मामले में वांछित चल रहा था, जिस पर बीस हजार का इनाम घोषित था।

सीओ वरुण मिश्रा ने बताया कि 30 अप्रैल को गढ़मुक्तेश्वर थाने में तीन बदमाशों पर गैंगस्टर की कार्रवाई की गई थी। उसके बाद दो बदमाश कोर्ट में पेश हुए थे। वही, गैंग का मुख्य बदमाश जिला मेरठ क्षेत्र के समर गार्डन कालौनी खुशहाल नगर गली नंबर दो अनवार कोलड्रिक दुकान के पास का रहने वाला शहजादा तभी से फरार चल रहा था। जिस पर बीस हजार रुपये का इनाम भी घोषित किया गया। बताया गया कि पुलिस उसको पकड़ने की फिराक में लगी हुई थी। शनिवार की रात को नवादा नहर पटरी पर चेकिंग के दौरान बदमाश शहजाद और पुलिस का आमना सामना हो गया। बाइक सवार बदमाश ने भागने की फिराक में पुलिस पर गोली चला दी, जिसमें पुलिसकर्मी बाल-बाल बच गए। पुलिस की जवाबी फायरिंग में बदमाश शहजाद पैर में गोली लगने से घायल हो गया।

पुलिस के अनुसार, बदमाश शहजाद पुलिस को देखते ही सीधी गोली चलाता था। पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिला हापुड़, बुलंदशहर नोएडा और मेरठ आदि में लूट, चोरी, अवैध शस्त्र रखना जैसे एक दर्जन से अधिक संगीन अपराधों में सम्मलित रहा है।

इसके अलावा पुलिस ने पांच मार्च को ढींगरा फार्म हाउस में चोरी करने वाले गैग, 19 मार्च को सागौन की लकड़ी चोरी करने वाले गैंग, 28 मार्च को हाईवे से डीजल चुराने वाले गैंग के साथ मुठभेड़, 20 अप्रैल और 20 जून को गोकशी में शामिल बदमाश से मुठभेड़ हुई थी।

इंडिगो के ट्रेनी पायलट ने सीनियर अफसरों पर लगाया जातिवाद का आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडिगो फ्लाइट के ट्रेनी पायलट ने तीन सीनियर अधिकारियों पर जातिवाद का आरोप लगाया है। ट्रेनी पायलट का कहना है कि इन अधिकारियों ने उससे कहा कि वो प्लेन उड़ाने लायक नहीं है, जाए और जूते सिले। दरअसल, ये पायलट अनसूचित जाति से ताल्लुक रखता है। मामले को लेकर पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई है।

इंडिगो के अधिकारियों मनीष साहनी, तपस डे और कैप्टन राहुल पाटिल के खिलाफ एससी/एसटी एक्ट के तहत एफआईआर दर्ज की गई है। मामले में पहले बेंगलुरु में शिकायत की गई, जहां पर पुलिस ने जीरो एफआईआर दर्ज की गई। इसके बाद इसे गुरुग्राम में ट्रांसफर कर दिया गया, जहां पर इंडिगो का हेडक्वार्टर है। यहां बता दें कि जीरो एफआईआर किसी भी पुलिस थाने में दर्ज की जा सकती है, चाहे अपराध कहीं भी हुआ हो।

ट्रेनी पायलट ने क्या लगाया आरोप- अपनी शिकायत में ट्रेनी पायलट ने 28 अप्रैल को गुरुग्राम में इंडिगो के हेडक्वार्टर में हुई एक बैठक का हवाला दिया है। ये बैठक लगभग 30 मिनट तक चली और इस दौरान शिकायतकर्ता से कहा गया, ÷तुम विमान उड़ाने लायक नहीं हो, वापस जाओ और चप्पलें सिलवाओ। तुम यहां चौकीदार भी बनने लायक नहीं हो। ट्रेनी पायलट का आरोप है कि उसका उत्पीड़न इसलिए किया गया क्योंकि अधिकारी उनका इस्तीफा चाहते थे।

इंडिगो में भी की थी शिकायत लेकिन नहीं हुई कार्रवाई- इसके अलावा पायलट ने ये भी आरोप लगाया कि उन्हें पेशेवर उत्पीड़न का सामना करना पड़ा है। उनकी बिना वजह वेतन कटौती की गई, रिट्रेनिंग सेशन्स के लिए मजबूर किया गया और बिना वजह के वॉर्निंग लेटर्स जारी किए गए। उन्होंने कहा कि उन्होंने इस मामले को उच्च अधिकारियों और इंडिगो के नैतिकता पैनल के समक्ष उठाया था, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। उन्होंने कहा कि आखिरकार उन्हें पुलिस शिकायत दर्ज करने के लिए मजबूर होना पड़ा।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

हिन्दकुश

हिन्द : भारत कुश : पवित्र तृण

मानव जीवन में सदैव उतार-चढाव आता है व्यक्ति को कभी इससे घबराना नहीं चाहिए।
पं. श्रीराम शर्मा आचार्य

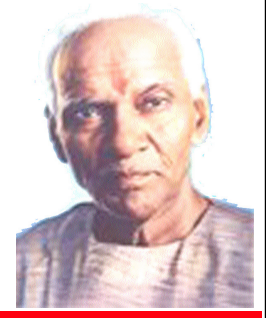

सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःख भागभवेत्
सभी सुखी हो, सभी निरोगी रहे, सभी का शुभ हो, कोई भी दुखी न हो।

विक्रम संवत 2079 कृष्ण चतुर्थदशी

संपादकीय

ऐतिहासिक रूप से कूटनीति पुरुषों का ही आधिपत्य रहा....

वैश्विक स्तरपर सर्वविदित है कि पूरी दुनियाँ में ऐतिहासिक रूप से कूटनीति पुरुषों का ही आधिपत्य रहा है, महिलाओं ने सदियों से कूटनीति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है,फिर भी उनके योगदान को अक्सर नजरअंदाज कर दिया गया है,जो रेखांकित करने वाली बातहै। रविवार 22 जून 2025 को मीडिया के हर प्लेटफार्म पर हमने देखे कि अमेरिका ने ईरान में करीब तीन परमाणु ठिकानों पर हमला किया जिससे तीसरे विश्व युद्ध का आगाज़ होने की संभावना बढ़ गई है, वर्तमान में हम देख रहे हैं कि सभी युद्धों में शीर्ष नेतृत्व में पुरुषों का ही बोलबाला है जबकि हाल ही में भारत-पाकिस्तान तनाव में सैन्यप्रवक्ता के रूप में एक महिला पूरी जानकारी दे रही थी, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

बहुपक्षीय एजेंडे को आकार देने वाले व प्रमुख निर्णय लेने और नेतृत्व के पदों पर महिलाओं के बढ़ते प्रतिनिधित्व का समर्थक हूं।2014 के आंकड़ों केमुताबिक 143 देशों ने अपने संविधान में पुरुषों व महिलाओं को समानता की गारंटी दी है, परंतु 52 देशों में अभी भी इस असमानता को मिटाना है। एक अध्ययन के अनुसार 1992 से 2019 में शांति प्रक्रिया में सिर्फ 13 परसेंट मध्यस्तता में 6 पेर्सेंट व हस्ताक्षर में केवल 6 पेर्सेंट महिलाएं ही शामिल हुई है महिला व पुरुषों के कूटनीति राजनीति व सैन्य पदानुक्रमों सहित अनेकों क्षेत्रों में भारी असमानता को रेखांकित करते हुए संयुक्त राष्ट्र महासभा ने 20 जून 2022 को अपने संकल्प क्रमांक 76/269 में पारित किया कि प्रति वर्ष 24 जून को कूटनीति में महिलाओं का अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया जाएगा।पिछले वर्ष 2024 में सुबह 11:30 से 1 तक ट्रस्टीशिप काउंसिल चैंबर संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय न्यूयॉर्क में बहुपक्षीय कूटनीति से महिला नेतृत्व थीम के साथ कार्यक्रम आयोजित हुआ था जो इस वर्ष भी इस थीम के साथ आयोजित किया जा रहा है, जिसमें महासभा के अध्यक्ष व महासचिव सहित अनेकों पदाधिकारी भाग ले रहे हैं, जिसमें कूटनीति राजनीति में महिलाओं के प्रतिनिधित्व नेतृत्व को बढ़ाने के लिए जनजागरण कर प्रोत्साहित किया जा रहा है, वक्ताओं द्वारा बताया गया कि, दुर्भाग्य से, अंतर्राष्ट्रीय निकायों, राजनयिक कोर, मानवाधिकार संगठनों और अन्य प्रमुख बहुपक्षीय स्थानों सहित निर्णय लेने के सभी स्तरों पर महिलाओं का प्रतिनिधित्व अभी भी कम है। निचले स्तरों पर लाभ के बावजूद महिलाएँ केवल 13 प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का नेतृत्व करती हैं। और, जैसा कि हमने सुना है, हमने अभी तक संयुक्त राष्ट्र के महासचिव के रूप में शीर्ष अंतर्राष्ट्रीय कूटनीति स्थान पर एक महिला को चुना हुआ नहीं देखा है।डेटा इस बात पर प्रकाश डालता है कि दुनियाँ भर में केवल 20 प्रतिशत राजदूत महिलाएँ हैं, और 2022 में शांति वार्ता प्रतिनिधिमंडल में केवल 16 प्रतिशत प्रतिभागी महिलाएँ थीं। वर्तमान दर पर, हम 130 वर्षों तक लैंगिक समानता प्राप्त नहीं कर सकते हैं। दुनियाँ की आधी से अधिक आबादी 30 वर्ष से कम आयु की है, सभी लड़कियों और युवा महिलाओं को नागरिक और राजनीतिक नेताओं के रूप में सेवा करने के लिए सशक्त और प्रेरित करना सकारात्मक बदलाव का एक महत्वपूर्ण साधन है। 2023 में, संयुक्त राज्यअमेरिका ने नागरिक और राजनीतिक जीवन में सभी लड़कियों और युवा महिलाओं की सार्थक भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए वैश्विक लड़कियों की नागरिक और राजनीतिक भागीदारी पर पहली बार यू.एस. रणनीति जारी की। आज जब हम कूटनीति में पहले से ही शामिल महिलाओं का जश्न मना रहे हैं, तो हमें यह भी सुनिश्चित करना होगा कि हम कूटनीति में कल की महिलाओं को भी सशक्त बना रहे हैं।यह दिवस उन तरकीबों को पहचानें व उन तरीकों को अपनाने का दिन है जिसमें महिलाएं बाध्यताओं को तोड़ रही है और कूटनीति के क्षेत्र में बदलाव ला रही है।

चूँकि शांति, सुरक्षा, सतत विकास और सभी के लिए मानवाधिकार हासिल करने में महिलाओं की इक्वल भागीदारी अनिवार्य होना समय की मांग है, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे कूटनीति में महिलाओं का 3 रा अंतर्राष्ट्रीय दिवस 24 जून 2025, कूटनीतिक राजनीतिक व सैन्य पदानुक्रम में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की कमी है, नारीवाद नेतृत्व को एक प्रमुख सिद्धांत के रूप में स्थापित करने की अत्यंत सख्त तात्कालिक ज़रूरत है।

रानी दुर्गावती

रानी दुर्गावती गोंडवाना की शासक थीं, जो भारतीय इतिहास की सर्वाधिक प्रसिद्ध रानियों में गिनी जाती हैं। दुर्गावती ने 16 वर्ष तक जिस कुशलता से राज संभाला, उसकी प्रशस्ति इतिहासकारों ने की है। आइना-ए-अकबरी में अबुल फ़ज़ल ने लिखा है- दुर्गावती के शासनकाल में गोंडवाना इतना सुव्यवस्थित और समृद्ध था कि प्रजा लगान की अदायगी स्वर्णमुद्राओं और हाथियों से करती थी।

जीवन परिचय- वीरांगना महारानी दुर्गावती कालिंजर के राजा कीर्तिसिंह चंदेल की एकमात्र संतान थीं। महोबा के राठ गांव में 1524 ई. की दुर्गाष्टमी पर जन्म के कारण उनका नाम दुर्गावती रखा गया। नाम के अनुरूप ही तेज, साहस, शौर्य और सुन्दरता के कारण इनकी प्रसिद्धि सब ओर फैल गयी। दुर्गावती के मायके और ससुराल पक्ष की जाति भिन्न थी लेकिन फिर भी दुर्गावती की प्रसिद्धि से प्रभावित होकर राजा संग्राम शाह ने अपने पुत्र दलपतशाह से विवाह करके, उसे अपनी पुत्रवधू बनाया था। दुर्भाग्यवश विवाह के चार वर्ष बाद ही राजा दलपतशाह का निधन हो गया। उस समय दुर्गावती की गोद में तीन वर्षीय नारायण ही था। अतः रानी ने स्वयं ही गढ़मंडला का शासन संभाल लिया। उन्होंने अनेक मंदिर, मठ, कुएं, बावड़ी तथा धर्मशालाएं बनवाई। वर्तमान जबलपुर उनके राज्य का केन्द्र था। उन्होंने अपनी दासी के नाम पर चेरीताल, अपने नाम पर रानीताल तथा अपने विश्वस्त दीवान आधारसिंह के नाम पर आधारताल बनवाया।

शौर्य और पराक्रम की देवी- झांसी की रानी लक्ष्मीबाई से रानी दुर्गावती का शौर्य किसी भी प्रकार से कम नहीं रहा है, दुर्गावती के वीरतापूर्ण चरित्र को लम्बे समय तक इसलिए दबाये रखा कि उसने मुस्लिम शासकों के विरुद्ध संघर्ष किया और उन्हें अनेकों बार पराजित किया। देर से ही सही मगर आज वे तथ्य सम्पूर्ण विश्व के सामने हैं। धन्य है रानी का पराक्रम जिसने अपने मान सम्मान, धर्म की रक्षा और स्वतंत्रता के लिए युद्ध भूमि को चुना और अनेकों बार शत्रुओं को पराजित करते हुए बलिदान दे दिया।

जन जन में रानी ही रानी
वह तीर थी,तलवार थी,
भालों और तोपों का वार थी,
फुफकार थी, हुंकार थी,
शत्रु का संहार थी!

दुर्गावती का शासन- दुर्गावती ने 16 वर्ष तक जिस कुशलता से राज संभाला, उसकी प्रशस्ति इतिहासकारों ने की। आइना-ए-अकबरी में अबुल फ़ज़ल ने लिखा है, दुर्गावती के शासनकाल में गोंडवाना इतना सुव्यवस्थित और समृद्ध था कि प्रजा लगान की अदायगी स्वर्णमुद्राओं और हाथियों से करती थीं। मंडला में दुर्गावती के हाथीखाने में उन दिनों 1400 हाथी थे। मालवांचल शांत और संपन्न क्षेत्र माना जाता रहा है, पर वहां का सूबेदार स्त्री लोलुप बाजबहादुर, जो कि सिर्फ रूपमती से आंख लड़ाने के कारण प्रसिद्ध हुआ है, दुर्गावती की संपदा पर आँखें गड़ा बैठा। पहले ही युद्ध में दुर्गावती ने उसके छक्के छुड़ा दिए और उसका चाचा फतेहा खां युद्ध में मारा गया, पर इस पर भी बाजबहादुर की छाती ठंडी नहीं हुई और जब दुबारा उसने रानी दुर्गावती पर आक्रमण किया, तो रानी ने कटंगी-घाटी के युद्ध में उसकी सेना को ऐसा रौंदा कि बाजबहादुर की पूरी सेना का सफाया हो गया। फलतः दुर्गावती सम्राज्ञी के रूप में स्थापित हुईं।

अकबर से संघर्ष और बलिदान- अकबर के कडा मानिकपुर का सूबेदार ख्वाजा अब्दुल मजीद खां जो आसफ़ खां के नाम से जाना जाता था, ने रानी दुर्गावती के विरुद्ध अकबर को उकसाया, अकबर अन्य राजपूत घरानों की तरह दुर्गावती को भी रनवासे की शोभा बनाना चाहता था। रानी दुर्गावती ने अपने धर्म और देश की दृढ़ता पूर्वक रक्षा की ओर रणक्षेत्र में अपना बलिदान 1564 में कर दिया, उनकी मृत्यु के पश्चात् उनका देवर चन्द्रशाह शासक बना व उसने मुग़लों की आधीनता स्वीकार कर ली, जिसकी हत्या उन्हीं के पुत्र मधुकरशाह ने कर दी। अकबर को कर नहीं चुका पाने के कारण मधुकर शाह के दो पुत्र प्रेमनारायण और हदयेश शाह बंधक थे। मधुकरशाह की मृत्यु के पश्चात् 1617 में प्रेमनारायणशाह को राजा बनाया गया।

थर-थर दुश्मन कांपे,
पग-पग भागे अत्याचार,
नरमुण्डों की झडी लगाई,
लाशें बिछाई कई हजार,
जब विपदा घिर आई चहुंओर,
सीने मे खंजर लिया उतार।

चौरागढ़ का जौहर- आसफ़ खाँ रानी की मृत्यु से बौखला गया, वह उन्हें अकबर के दरबार में पेश करना चाहता था, उसने राजधानी चौरागढ़ (हाल में ज़िला नरसिंहपुर में) पर आक्रमण किया, रानी के पुत्र राजा वीरनारायण ने वीरतापूर्वक युद्ध करते हुए वीरगति प्राप्त की, इसके साथ ही चौरागढ़ में पवित्रता को बचाये रखने का महान् जौहर हुआ, जिसमें हिन्दुओं के साथ-साथ मुस्लिम महिलाओं ने भी जौहर के अग्नि कुंड में छलांग लगा दी थी। किंवदंतियों में है कि आसफ़ खाँ ने अकबर को खुश करने के लिये दो महिलाओं को यह कहते हुए भेंट किया कि एक राजा वीरनारायण की पत्नी है तथा दूसरी दुर्गावती की बहिन कलावती है। राजा वीरनारायण की पत्नी ने जौहर का नेतृत्व करते हुए बलिदान किया था और रानी दुर्गावती की कोई बहिन थी ही नहीं, वे एक मात्र संतान थीं। बाद में आसफ़ खाँ से अकबर नराज़ भी रहा, मगर मेवाड़ के युद्ध में वह मुस्लिम एकता नहीं तोड़ना चाहता था।

अकबर और दुर्गावती- तथाकथित महान् मुग़ल शासक अकबर भी राज्य को जीतकर रानी को अपने हरम में डालना चाहता था। उसने विवाद प्रारम्भ करने हेतु रानी के प्रिय सफेद हाथी (सरमन) और उनके विश्वस्त वजीर आधारसिंह को भेंट के रूप में अपने पास भेजने को कहा। रानी ने यह मांग ठुकरा दी। इस पर अकबर ने अपने एक रिश्तेदार आसफ़ खाँ के नेतृत्व में गोंडवाना पर हमला कर दिया। एक बार तो आसफ़ खाँ पराजित हुआ, पर अगली बार उसने दोगुनी सेना और तैयारी के साथ हमला बोला। दुर्गावती के पास उस समय बहुत कम सैनिक थे। उन्होंने जबलपुर के पास नरई नाले के किनारे मोर्चा लगाया तथा स्वयं पुरुष वेश में युद्ध का नेतृत्व किया। इस युद्ध में 3,000 मुग़ल सैनिक मारे गये लेकिन रानी की भी अपार क्षति हुई थी। अगले दिन 24 जून, 1564 को मुग़ल सेना ने फिर हमला बोला। आज रानी का पक्ष दुर्बल था, अतः रानी ने अपने पुत्र नारायण को सुरक्षित स्थान पर भेज दिया। तभी एक तीर उनकी भुजा में लगा, रानी ने उसे निकाल फेंका। दूसरे तीर ने उनकी आंख को बेध दिया, रानी ने इसे भी निकाला पर उसकी नोक आंख में ही रह गयी। तभी तीसरा तीर उनकी गर्दन में आकर धंस गया। रानी ने अंत समय निकट जानकर वजीर आधारसिंह से आग्रह किया कि वह अपनी तलवार से उनकी गर्दन काट दे, पर वह इसके लिए तैयार नहीं हुआ। अतः रानी अपनी कटार स्वयं ही अपने सीने में भोंककर आत्म बलिदान के पथ पर बढ़ गयीं। महारानी दुर्गावती ने अकबर के सेनापति आसफ़ खान से लड़कर अपनी जान गंवाने से पहले पंद्रह वर्षों तक शासन किया था।

सम्मान - रानी दुर्गावती कीर्ति स्तम्भ, रानी दुर्गावती पर डाकचित्र, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, रानी दुर्गावती अभ्यारण्य, रानी दुर्गावती सहायता योजना, रानी दुर्गावती संग्रहालय एवं मेमोरियल, रानी दुर्गावती महिला पुलिस बटालियन आदि न जाने कितनी कीर्ति आज बुन्देलखण्ड से फैलते हुए सम्पूर्ण देश को प्रकाशित कर रही है।

चन्देलों की बेटी थी,
गौंडवाने की रानी थी,
चण्डी थी रणचण्डी थी,
वह दुर्गावती भवानी थी।

स्वतंत्रता संग्राम की महान् महिला सेनानी व खूब लडी मर्दानी वह तो झांसी वाली रानी थी की शौर्यगाथा काव्य को लिखने वाली, वीररस की महान् कवियित्री सुभद्रा कुमारी चौहान के ये शब्द ही, अद्वितीय शौर्य का प्रदर्शन करते हुए अमर बलिदान करने वाली रानी दुर्गावती की सच्ची कहानी कहते हुए महसूस होते हैं।

जिसके हुक्म से बनते हैं जूडियो के कपड़े, उसके शेयर खरीदने टूट पड़े लोग

नई दिल्ली (एजेंसी)। शेयर बाजार में गिरावट देखने को मिली। गिरते हुए सूचकांक में जूडियो की पेरेंट कंपनी ट्रेंट में तेजी देखने को मिली। बीएसई पर कारोबार के दौरान कमजोर बाजार में ट्रेंट के शेयरों में 5 प्रतिशत की तेजी आई। यह पांच महीने के उच्चतम स्तर 6,214.55 रुपये पर पहुंच गया। पिछले दो कारोबारी दिनों में टाटा समूह समर्थित ट्रेंट के शेयर की कीमत में 9 फीसदी का उछाल देखने को मिला, जो कि 2 फरवरी 2025 के बाद अपने उच्चतम स्तर पर है। अंत में यह 3.77 फीसदी की गिरावट के साथ 6,120 रुपये बंद हुआ।

कंपनी 30 जून को रिजल्ट घोषित करने वाली है। ट्रेंट की ट्रेडिंग विंडो मंगलवार, 24 जून 2025 से बंद हो जाएगी और कंपनी के वित्तीय परिणामों की घोषणा से 48 घंटे बाद खुलेगी। इसके जरिए कंपनी इनसाइडर ट्रेडिंग की रोकना चाहती है।

नुवामा अल्टरनेटिव के अनुमान के अनुसार, आज से बेंचमार्क 30-स्टॉक बीएसई सेंसेक्स सूचकांक में टाटा समूह के स्वामित्व वाली ट्रेंट को शामिल किए जाने से 330 मिलियन डॉलर का निवेश आने की उम्मीद है।

ब्रोकरेजे को ट्रेंट में और उछाल की उम्मीद- एलारा कैपिटल के एनालिस्ट के मुताबिक, ट्रेंट के पास ब्रांड के आगे बढ़ाने के लिए सही स्ट्रैटजी है। ऑर्गेनिक ब्रांड ग्रोथ, ग्राहक अधिग्रहण, बिक्री जैसे विकल्प विकास को बनाए रखेंगे। तेजी से इन्वेंट्री टर्न, सेलिब्रिटी-रहित एएंडपी और सामान्य तकनीकी इंफ्रा से होने वाले लाभ लागत को कम करेंगे।

ब्रोकरेज फ़र्म ने कहा कि ट्रेंट के पास समग्र फ़ैशन उद्योग में एक अंक की उच्च बाजार हिस्सेदारी है; इसलिए, इसमें बढ़ोतरी की गुंजाइश है। इसने 8,300 प्रति शेयर के टारगेट प्राइस के साथ स्टॉक पर खरीदें रेटिंग बरकरार रखी है।

भारतीय सेना के लिए ड्रोन बनाएगी ये प्राइवेट कंपनी, सरकार से मिला 137 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान-इजरायल और अमेरिका के बीच जारी जंग से शेयर मार्केट गिरावट के साथ कारोबार कर रहे हैं। लेकिन, इस बीच डिफेंस शेयरों में अच्छी तेजी देखने को मिल रही है। देश में ड्रोन बनाने वाली एक कंपनी आइडिया फोर्ज के शेयरों में 10 फीसदी का अपर सर्किट लग गया है। दरअसल, कंपनी को रक्षा मंत्रालय से ड्रोन बनाने के लिए 137 करोड़ रुपये का बड़ा ऑर्डर मिला है। कंपनी ने एक्सचेंज को दी फाइलिंग में इसकी जानकारी दी है।

कंपनी ने एक्सचेंज को क्या बताया- आइडियाफोर्ज ने एक्सचेंज फाइलिंग में कहा है कि उसे सरकार से एसेसरीज के साथ मिनी यूएवी (छोटे ड्रोन) बनाकर 12 महीने में डिलीवर करने के लिए एक ऑर्डर मिला है। इस ऑर्डर की वैल्यू 137 करोड़ रुपये है।

जंग के बीच डिफेंस शेयरों में तेजी - मीडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव और इस युद्ध में अमेरिका के उतरने से संकट और गहराने लगा है। इसके चलते जहां ग्लोबल शेयर मार्केट धराशयी हो गए हैं, वहीं डिफेंस कंपनियों के शेयरों में लगातार तेजी आ रही है।

पिछले महीने भारत-पाकिस्तान में हुए सैन्य संघर्ष के बाद से ही भारतीय डिफेंस कंपनियों के शेयरों में तेजी देखी जा रही है, जो अब तक जारी है।

ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म ने टाटा स्टील के शेयरों पर बड़ा टारगेट प्राइस दिया

नई दिल्ली (एजेंसी)। टाटा ग्रुप की एक बड़ी कंपनी के शेयरों पर ग्लोबल ब्रोकरेज हाउस ने बड़ा टारगेट प्राइस दिया है। दरअसल, 2 लाख करोड़ (1.90 करोड़) के मार्केट कैप वाली कंपनी, टाटा स्टील के शेयरों पर मैक्करी ने आउट परफॉर्म की रेटिंग को बरकरार रखा है और टारगेट प्राइस को बढ़ा दिया है। खास बात है कि आज बाजार में गिरावट के बाद आई रिकवरी के दौरान मेटल सेक्टर भी चढ़ा है।

टाटा स्टील, मेटल सेक्टर की एक अहम कंपनी है। टाटा स्टील के शेयर 0.44 फीसदी की बढ़त के साथ 152.64 रुपये पर ट्रेड कर रहे हैं। पिछले कुछ ट्रेडिंग सेशन्स से इस स्टॉक में लगातार बिकवाली हावी है।

रिकॉर्ड स्तर से गिरावट के बाद खरीदी का मौका?

पिछले साल जून में टाटा स्टील के शेयरों ने 184 रुपये का 52 वीक हाई लगाया था और अब 1536 रुपये के आसपास कारोबार कर रहे हैं। इस साल जनवरी से शेयरों में खरीदारी देखने को मिली। मैक्करी ने अब टाटा स्टील के शेयरों पर 180 रुपये का टारगेट प्राइस दिया है। इस शेयर का मौजूदा भाव 153 रुपये के आसपास है। ऐसे में मौजूदा लेवल से यह स्टॉक 20 फीसदी तक की तेजी दिखा सकता है।

पिछले साल से जारी है गिरावट और तेजी- वहीं, अप्रैल से टाटा स्टील के शेयरों में लगातार खरीदी से इसने 165.55 रुपये का स्तर छू लिया था। लेकिन, मीडिल ईस्ट में तनाव की खबरों के चलते मार्केट की गिरावट के साथ यह शेयर 150 रुपये से नीचे पहुंच गया।

ये बैंक दे रहे हैं 7.50% ब्याज से भी कम पर होम लोन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपना मनपसंद घर खरीदना हर किसी का सपना होता है। लेकिन घर खरीदने के लिए हर किसी के पास पर्याप्त पैसे नहीं होते, इसलिए कई लोग होम लोन का सहारा लेते हैं। होम लोन के जरिए मनपसंद घर किस्तों में लिया जा सकता है। हालांकि इसमें प्रिंसिपल अमाउंट के साथ ब्याज भी देना पड़ सकता है।

7.50% कम पर होम लोन- हाल ही में आरबीआई द्वारा रेपो रेट में कटौती के बाद कई बैंकों में होम लोन ब्याज दर 7.50% हो गया है। हालांकि कुछ बैंकों ने ब्याज दर अभी तक रिवाइज नहीं किया है। लेकिन आज हम ऐसे बैंकों के बारे में बात करेंगे, जिनमें ब्याज दर 7.50 फीसदी से भी कम है।

ये ध्यान रखें कि नीचे बताई गई बैंकों की लिस्ट में लोन अवधि 20 साल और लोन अमाउंट 30 लाख रुपये हैं।

7.35% ब्याज पर होम लोन देने वाले मौजूदा समय में तीन बैंक है। इनमें बैंक ऑफ महाराष्ट्र, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया, इंडियन ओवरसीज बैंक, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया शामिल हैं। ये सभी बैंक न्यूनतम 7.35 फीसदी पर होम लोन दे रहे हैं। हालांकि लोन की ब्याज दर कई और तथ्य जैसे सिबिल स्कोर, इनकम सोर्स और लोन क्षमता पर भी निर्भर करती है। सभी बैंकों में से बैंक ऑफ महाराष्ट्र और इंडियन ओवरसीज बैंक में प्रोसेसिंग फीस सबसे ज्यादा है। इनमें ये 25 हजार रुपये है।

गिरावट भरे बाजार में इस डिफेंस स्टॉक को खरीदने की मची लूट, लगा अपर सर्किट

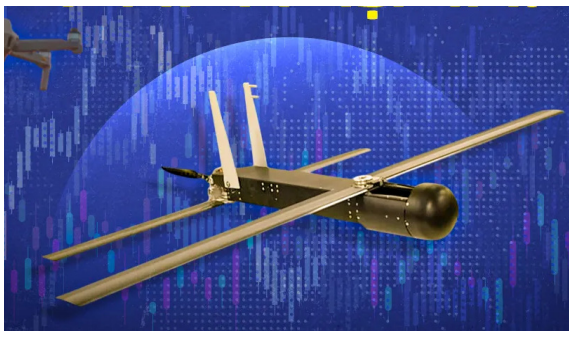

नई दिल्ली (एजेंसी)। डिफेंस टेक्नोलॉजी कंपनी जेन टेक्नोलॉजी ने सोमवार को एक बड़ा ऐलान करते हुए TISA एयरोस्पेस में हिस्सेदारी खरीदने की घोषणा की है। इस खबर के बाद गिरावट भरे बाजार में जेन टेक्नोलॉजी के शेयर में अपर सर्किट लग गया। यह 5 फीसदी की तेजी के साथ 1,994.60 रुपये पर पहुंच गया। बता दें कि जेन टेक्नोलॉजी ने जिस कंपनी TISA में बड़ी हिस्सेदारी खरीदने घोषणा की है वह एक उभरती हुई भारतीय कंपनी है जो खासतौर पर ड्रोन और लूटिंग म्यूनिशन जैसे आधुनिक हथियार सिस्टम बनाने का काम करती है।

Zen इस डील को शेयर खरीद और टीसा से जारी किए गए CCDs के जरिए पूरा करेगी। कंपनी के बोर्ड ने इस अधिग्रहण को मंजूरी दे दी है।

Zen Technologies के चेयरमैन और मैनेजिंग डायरेक्टर अशोक अटलुरी ने कहा कि ÷यह अधिग्रहण डिफेंस ड्रोन और लूटिंग म्यूनिशन के क्षेत्र में हमारी मौजूदगी को और मजबूत करेगा। TISA के पास एडवांस टेक्नोलॉजी है और DRDO के लिए एक सफल प्रोजेक्ट भी पूरा कर चुकी है, जिसमें IIT मद्रास ने तकनीकी मदद दी थी। इन क्षमताओं को Zen की मौजूदा एंटी-ड्रोन और प्रोपल्शन टेक्नोलॉजी के साथ मिलाकर हम एक मजबूत और भविष्य के लिए तैयार रक्षा पोर्टफोलियो बना रहे हैं।

उन्होंने आगे कहा कि यह कदम 'मेक इन इंडिया' और भारत की आत्मनिर्भर रक्षा नीति के अनुरूप है। Zen अब अपने उत्पादों को तेजी से स्केल कर सकेगी और घरेलू के साथ-साथ वैश्विक बाजारों में भी प्रतिस्पर्धा कर पाएगी।

TISA Aerospace क्या करती है- TISA Aerospace की स्थापना दिसंबर 2020 में हुई थी। यह कंपनी मुख्य रूप से भारतीय सेना के लिए ड्रोन और लूटिंग म्यूनिशन जैसे स्मार्ट हथियार बना रही है। छत्रछह के मानकों पर आधारित सिस्टम पहले ही डिलीवर कर चुकी है और अब नए वेरिएंट्स पर काम कर रही है। कंपनी का लक्ष्य है कि वह Made in India तकनीक के जरिए ग्लोबल मार्केट में लीडर बने। Zen Technologies एक अग्रणी डिफेंस टेक्नोलॉजी कंपनी है जो ट्रेनिंग सिस्टम और एंटी-ड्रोन सॉल्यूशंस बनाने के लिए जानी जाती है।

Aditya Birla Lifestyle ने डीमर्जर के बाद शेयर बाजार में की एंट्री

नई दिल्ली (एजेंसी)। Aditya Birla से अलग होने के बाद Aditya Birla Lifestyle एक नई कंपनी बनकर आज एनएसई (नेशनल स्टॉक एक्सचेंज) और बीएसई (बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज) पर लिस्ट हुआ है।

कितने पर हुआ लिस्ट- इस बारे में मिली जानकारी के मुताबिक इसका इश्यू प्राइस 170 रुपये था। हालांकि ये एनएसई 167 रुपये पर लिस्ट हुआ है। इसमें 3 रुपये प्रति शेयर की कमी दर्ज की गई है। बीएसई पर ये 167.75 पर लिस्ट हुआ है।

डीमर्जर के बाद क्या-क्या बदला- रिकॉर्ड डेट यानी जिस दिन Aditya Birla Lifestyle, Aditya Birla Group से अलग हुआ, उस दिन उसे 122 करोड़ शेयर्स दिए गए। ये अपनी पेरेंट कंपनी Aditya Birla से 22 मई को अलग हुआ था।

अलग होने के बाद आदित्य बिड़ला फैशन एंड रिटेल ने एक नई कंपनी आदित्य बिरला लाइफस्टाइल ब्रांड लिमिटेड का गठन किया है।

दैनिक हिन्दकुश
hindkush.in
24x7 News portal
सर्वे भवन्तु सुखिनः
उजैन, इंदौर, भोपाल से प्रकाशित
jagrayam.com
online news magazine
ऑनलाईन संवाददाता/ब्यूरो प्रतिनिधि चाहिए
हिन्दकुश मीडिया
hindkushmedia@gmail.com
jagrayam@gmail.com

एसपी ने स्कूलों को किया आगाह, बच्चों को सड़क से उठाया तो होगी कार्रवाई

जबलपुर। स्कूल में नया शिक्षण संत्र आरंभ होने के साथ ही वहां सड़क पर यातायात बाधित होने की समस्या शुरू हो गई है। इससे निपटने के लिए पुलिस ने स्कूलों को परिसर के अंदर वाहन खड़े करने की व्यवस्था करने के निर्देश दिए है। सभी स्कूलों से कहा गया है कि वे स्कूल बस, वैन, आटो, कार के लिए परिसर के अंदर जगह सुनिश्चित करें। वाहन, छात्र-छात्राओं को स्कूल के परिसर अंदर छोड़े और वहीं उन्हें वापस लेकर निकलें।सड़क पर बच्चों को बैठाएंगे तो कार्रवाई यदि स्कूल बस, वैन, ऑटो, ई-रिक्शा एवं अभिभावकों की कार से स्कूल के बाहर सड़क पर बच्चों को छोड़ेंगे एवं बैठाएंगे तो कार्रवाई की जाएगी। इस संबंध में पुलिस अधीक्षक सम्पत उपाध्याय ने रविवार को गोरखपुर के पुलिस डाटा सेंटर में एक बैठक की। जिसमें समस्त स्कूल के संचालकों एवं स्कूल बस, वैन एवं आटो स्वामी एवं चालक एसोसिएशन के सदस्य उपस्थित थे।

निर्देशों का पालन नहीं करने पर कार्यवाही

स्कूल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए कि वह परिसर के अंदर ड्रॉप एंड गो की जगह तय कर लें। वहीं, वाहन स्वामी एवं चालकों को भी निर्देशों का पालन नहीं करने पर कार्यवाही की चेतावनी दी है। बैठक में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक समर वर्मा, यातायात उप पुलिस अधीक्षक बैजनाथ प्रजापति एवं संतोष कुमार शुक्ला उपस्थित थे।

खड़े कर देते है वाहन, यातायात होता है अवरुद्ध

कई स्कूल में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को लेने एवं छोड़ने वाले वाहन संस्थान के सामने सड़क पर खड़े होते हैं। स्कूल बस, वैन एवं रिक्शा अवकाश के समय से पहले स्कूल के बाहर सड़क पर खड़े हो जाते हैं। जब अवकाश होता है तो बच्चों को सड़क पर ही वाहन में बैठाते हैं। जिससे यातायात अवरुद्ध होता है। तैयब अली से पॉलिटेक्निक कालेज एवं पेंटीनाका पर स्थित स्कूलों के अवकाश के समय पर यातायात एक से दो घंटों तक प्रभावित होता है।

वहीं, अराजकता के कारण दुर्घटना की आशंका रहती है। सड़क पार करने और दूर खड़े वाहनों तक पहुंचने की आपाधापी में कई बार छात्र-छात्राएं चोटिल हो जाते है। स्कूल संचालकों, वाहन स्वामी व चालकों को एसपी ने दिए निर्देश द्य बस, वैन, आटो, अभिभावकों की कार से न बने जाम की स्थिति

बैठक में स्कूल के छात्र-छात्राओं का परिवहन करने वाले वाहनों को ओवरलोडिंग न करने की चेतावनी दी गई है। समस्त मापदंडों और स्वीकृति के साथ ही वाहन सड़क पर उतारने का निर्देश दिया गया है। बसों का संचालन करने वाले स्कूल एवं निजी संचालकों को निर्देशित किया गया है कि वह वाहन में गति मापक यंत्र, अग्निशमन यंत्र, फर्स्टएड बॉक्स अनिवार्य रूप से रखें। प्रत्येक स्कूल बस एवं वैन पर स्कूल का नाम, पता एवं स्पष्ट अक्षरों में फोन नंबर अंकित हो।राहगीरों को आवागमन में समस्या न हो

चालकों को चरित्र सत्यापन कराएं। स्कूल परिसर के बाहर सड़क किनारे या कोई अन्य ऐसे स्थान पर वाहन को खड़ा न रखा जाएं जिससे वहां राहगीरों को आवागमन में समस्या हो। निजी वेन, ऑटो एवं ई रिक्शा चालक भी परिवहन एवं सड़क सुरक्षा के नियमों का उल्लंघन करेंगे तो वाहन जब्त किए जाएंगे।

सोनम की तरह हीज्जहर देकर पति को मारने की कोशिश, सास-ससुर से थी परेशान

दमोह। समूचे देश में राजा रघुवंशी की हत्या का मामला अभी शांत भी नहीं हुआ था कि इस दौरान लगातार सोनम बेवफा और मुस्कान काफी चर्चाओं में रही, लेकिन यह स्थिति अब लगातार निचले स्तर पर भी पहुंचती जा रही है। इसी क्रम में दमोह जिले के देहात थाना अंतर्गत जबलपुर नाका चौकी के ग्राम बालाकोट में प्रेम विवाह करने वाली युवती संजना ने चाय में ही जहर देकर अपने पति सुरेंद्र को जान से मारने का प्रयास किया। इस बात का एहसास होने पर तत्काल ही इलाज हेतु जिला अस्पताल लाया गया, जहां पर उसका इलाज चल रहा है। पुलिस द्वारा मामले की जांच की जा रही है।मां-बाप से अलग रहने का बना रही थी दबाव

पीड़ित सुरेंद्र चौहान निवासी बालाकोट ने बताया कि उसके द्वारा नौ जनवरी 2025 को मझौली जिला जबलपुर निवासी संजना से युवती के परिवार के विरोध के बाद भी उसके द्वारा प्रेम विवाह किया था। उसके बाद वह ग्राम बालाकोट में ही रह रही थी, सुरेंद्र के अनुसार उसके तीन भाई गांव के बाहर काम करते है और दो भाई घर में रहते है। उसके वृद्ध माता-पिता भी साथ में रहते है जिसमें पिता की उम्र काफी होने पर एवं चलने फिरने में असहाय होने पर वह साथ में रहते है। पत्नी संजना बार-बार मां-बाप से अलग रहने के लिए दबाव बनाती है एवं वृद्ध मां-बाप के साथ गाली-गलौज अपमानित भी करती है।पति को जहर देकर मारने का किया प्रयास

इसी क्रम में रविवार को जब वह सुबह खेत पर काम से लौटकर घर आया और उसने पत्नी से चाय के लिए बोला तो उसने चाय में जहर मिलाकर उसे दे दिया। चाय पीने पर जब स्वाद कुछ अलग सा महसूस हुआ तो उसने अपनी मां को बताया तो मां ने देखा तो चाय में जहर था जिसके उपरांत तत्काल ही उसका भाई उसे जिला अस्पताल लेकर आया, जहां पर उसका इलाज चल रहा है।

पीड़ित परिवार के साथ करती थी गाली-गलौज-पीड़ित सुरेंद्र की मां मझली बहू ने बताया कि शनिवार की रात में मायके से अपने पिता के साथ आई थी और हम लोगों को गाली-गलौज भी कर रही थी तथा सुबह भी जब उनका बेटा खेत पर काम करने चला गया तब भी उसके द्वारा गाली-गलौज की गई एवं मारने के लिए दौड़ी थी। बेटे के वापस आने पर उसके द्वारा उसे चाय में जहर देकर मारने का प्रयास किया गया।

शताब्दी एक्सप्रेस पर 10 दिन में दूसरी बार पथराव, डरकर चीखने लगे यात्री

ग्वालियर। रानी कमलापति स्टेशन से नई दिल्ली जा रही शताब्दी एक्सप्रेस 10 दिन के अंदर दूसरी बार पत्थरबाजी का शिकार हो गई। रविवार को ग्वालियर स्टेशन गुजरने के बाद बिरला नगर से रायरू के बीच ट्रेन पर जोरदार पथराव हुआ। इससे यात्रियों के बीच चीख-पुकार मच गई। इस पथराव के कारण सी-5 कोच की खिड़की का कांच टूट गया। पथराव की सूचना पर आरपीएफ का अमला सक्रिय हुआ, लेकिन पत्थरबाज हाथ नहीं आ सके। बता दें कि इससे पहले गत 12 जून को भी दतिया के नजदीक सोनागिर स्टेशन और ग्वालियर स्टेशन के पहले एजी पुल के आउटर पर शताब्दी एक्सप्रेस पर पत्थर फेंके गए थे।

प्रिंसिपल की बहन के खाते में जमा हो रही थी रसोइया की सैलरी

परसवाड़ा। जनपद शिक्षा केंद्र परसवाड़ा अंतर्गत शासकीय प्राथमिक शाला दलवाड़ा में मध्याह्न भोजन बनाने वाली रसोइया सीता बाई तेकाम को 11 माह का मानदेय अभी तक नहीं मिला हैं। मामले की शिकायत शिक्षा विभाग, जिला पंचायत सीईओ, जनपद सीईओ, सहायक आयुक्त जन जाति कार्य विभाग, जिला शिक्षा अधिकारी के अलावा कलेक्टर की जनसुनवाई में की गई। जिसकी जांच होने पर रसोइया का वेतन स्कूल के प्रभारी प्रधानपाठक की बहन के खाते में जमा होना सामने आया है, लेकिन अभी तक दोषियों पर कोई कार्रवाई नहीं हो पाई है और ना ही रसोइया को मानेदय अभी तक दिया गया है।नहीं मिला रसोइया का मानदेय रसोइया सीता बाई पति सुखेसिंह तेकाम 38 ने बताया कि एक जुलाई 2009 से स्कूल में मध्याह्न भोजन का कार्य कर रही थी।

उसे काम से हटाया दिया गया है और 11 माह का मानदेय अभी तक नहीं दिया गया है। जिससे उसे परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रभारी प्रधानपाठक अनिता क्षीरसागर से मानदेय के संबंध में जानकारी चाही तो उन्हें जातिगत रूप से अपमानित कर रसोइया के कार्य में आने से मना कर दिया।

44 हजार का किया गबन-इधर, दूसरी रसोइया मथुरा बाई मर्सकोले जिनकी नियुक्ति उनके बाद हुई थी, जिसे कार्य पर रखा गया है। सीता बाई को बच्चों की संख्या कम होने पर भोपाल से फोन आने का हवाला देकर कार्य से बंद कर दिया। भोपाल से फोन नंबर की जानकारी लेने पर जनपद शिक्षा केंद्र परसवाड़ा के नरेंद्र शरणागत (बीएसी) एमडीएम प्रभारी का पाया गया। जिसमें सामने आया कि प्रधानपाठक ने अपनी सुनीता बाई पति दोहाराम राहंगडाले के नाम से फर्जी प्रस्ताव तैयार कर रसोइया का मानदेय भुगतान कर प्रधानपाठक व बीएसी दोनों के आपसी मिलकर 44 हजार रुपये की शासकीय राशि का गबन किया गया।

किसी अन्य के खाते में आया मानदेय-महिला सुनीता बाई के नाम से रसोइया की राशि डाली गई है वह महिला ग्राम दलवाड़ा की नहीं है बल्कि ग्राम चनई खलौंडी की हैं। जबकि सुनीता पिता दोहाराम राहंगडाले को स्कूल में कार्य करते किसी ने भी नहीं देखा गया और 11 माह की राशि 44 हजार उसके खाते में कैसे डाल दी गई। मामला सामने आने पर 23 जनवरी 2025 को जिला पंचायत का एक दल निरीक्षण करने स्कूल पहुंचा। जांच दल ने विभागीय कार्रवाई के दौरान सीता बाई का सबूत प्रधानपाठक अनिता क्षीरसागर से नहीं मांगा गया, जो संदेह घेरे में हैं।अभी तक नहीं हुई कार्रवाई

ग्राम चनई खलौंडी की रहने वाली सुनीता राहंगडाले को स्कूल में कभी कार्य करते नहीं देखा गया। उसके बाद भी खाते में प्रधानपाठक अनिता क्षीरसागर ने अपनी बहन के खाते में 11 माह की राशि डलवा दी। जब सीता बाई तेकाम बीआरसी कार्यालय गई तो वहां उसे कहा गया कि उसके खाते में पैसे जमा हो गए है। बैंक से पता लगाने पर भी कोई राशि जमा नहीं हो पाई थी। जिससे कार्रवाई से बचने के लिए छह मार्च 2025 को जिला पंचायत में यह राशि वापस की गई।

प्रधानपाठक की बहन के खाते में आई राशि-बता दें कि यदि पैसे लौटाए गए है तो मामले की स्पष्ट जांच अभी तक नहीं हो पाई है। क्योंकि किसके कहने पर प्रधानपाठक की बहन सुनीता बाई पति दोहाराम राहंगडाले के खाते में पैसे डाले गए। इससे ऐसा प्रतीत होता है कि प्रधानपाठक और बीएसी ने मिलकर शासन की राशि का स्वार्थ साधने की नियत से प्रधानपाठक की बहन के खाते में राशि डलवाए होंगे। मामले की निष्पक्ष जांच होने पर प्रधानपाठक व बीएसी का कारनामा सामने आएगा। रसोइया सीता बाई तेकाम की शिकायत पर हम दो जन शिक्षकों द्वारा जांच किया गया।

अखिल भारतीय जांगिड ब्राम्हण महासभा के राष्ट्रीय पदाधिकारी की बैठक इंदौर में संपन्न, 2000 से ज्यादा पदाधिकारी हुए शामिल

इंदौर। सामाजिक संरचना का भाव एक दूसरे के परस्पर सहयोग और आत्म चिंतन के साथ शुरू होता है ईश्वर ने इस पृथ्वी पर हमको जन्म दिया है मनुष्य का यह कर्तव्य है कि वह अपने साथ के सभी छोटे-बड़े, आर्थिक एवं कमजोर वर्ग के लोगों को सहयोग करता चले और अपने जीवन को धन्य करे। हम स्वयं अगर तरक्की करते हैं तो कोई बड़ी बात नहीं और अगर सबको साथ लेकर चलते हैं तो वास्तविकता में हमारा जन्म सफल रहेगा।

यह बाते अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा दिल्ली के राष्ट्रीय अधिवेशन में रविवार को रविंद्र नाट्यगृह में अतिथियों ने कही। मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल जांगिड़, प्रदेश प्रभारी रतन लाडवा,, महामंत्री अनिल शर्मा ने बताया कि राष्ट्रीय पदाधिकारी की बैठक में राजस्थान, मध्य प्रदेश, हरियाणा, दिल्ली, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ ,गुजरात, पंजाब, महाराष्ट्र, गोवा ,तमिलनाडु, कर्नाटक ,तेलंगाना, पश्चिम बंगाल और बिहार आदि15 राज्यों के सैकड़ों पदाधिकारी शामिल हुए। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रधान रामपाल जांगिड़, कैबिनेट मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, राजस्थान सरकार में मंत्री झाबर सिंह खर्रा, महापौर पुष्यमित्र भार्गव, सांसद शंकर लालवानी एवं विधायक गोलू शुक्ला,पी डी शर्मा और जनप्रतिनिधि शामिल रहे, महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने इस अवसर पर अपने उद्बोधन में कहा कि शहर के एक प्रमुख चौराहे पर भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा नगर निगम के माध्यम से स्थापित की जाएगी एवं नामकरण भी होगा।इस अवसर पर कैलाश बरनाला, रविशंकर शर्मा, लादू राम जांगिड, सावरमल जांगिड, श्री श्री गोपाल चोयल

आदि के साथ सभी प्रदेश के पदाधिकारी शामिल हुए । अतिथियों के का स्वागत कपिल शर्मा, माया शर्मा, धीरज शर्मा,अशोक रोडवाल, मूलचंद शर्मा बेटमा, वीरेंद शर्मा ने किया।

सवा सौ साल पुरानी संस्था- अखिल भारतीय जांगिड़ ब्राह्मण महासभा नई दिल्ली के मध्य प्रदेश अध्यक्ष प्रभु दयाल जांगिड़ ने बताया की हमारे समाज की सामाजिक संस्था का रजिस्ट्रेशन सन 1906 में लाहौर में हुआ था, यानी देश की आजादी के पहले ही संस्था का रजिस्ट्रेशन हुआ तब से लेकर आज तक तकरीबन सवा सौ साल में सामाजिक उत्थान और एकजुट के प्रयास लगातार हो रहे हैं। महापौर द्वारा की गई घोषणा से समाज मेंहर्ष माहौल बना ओर उनका धन्यवाद भी दिया

इन मुद्दे जिन पर मंथन- जांगिड़, जांगिड़ ब्राह्मण या विश्वकर्मा या सूतार आदि सरनेम या गोत्र को देश भर में समान रूप से पिछड़ा या अन्य पिछड़ा वर्ग में स्थान मिले , इस पर सरकार से मांग को चरणबद्ध किया जाएगा।

राजस्थान और हरियाणा सरकार की तर्ज पर प्रत्येक राज्य में हर जिला स्तर पर बच्चों के रहने के लिए छात्रावास हॉस्टल के लिए जमीन और निर्माण के लिए राशि राज्य सरकारी प्रदान करें।

देश के प्रत्येक शहर में भगवान विश्वकर्मा की प्रतिमा स्थापित हो उनके मंदिर का भी निर्माण किया जाए एवं हर प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र में भगवान विश्वकर्मा औद्योगिक क्षेत्र एरिया के नामकरण को भी प्रमुखता दी जाए।

. जांगिड़ ब्राह्मण समाज में अगर कोई व्यक्ति दुर्घटना से पीड़ित रहता है तो उसे तत्काल 20,000 की आर्थिक सहायता समाज जनों द्वारा दी जाती है, राशि को बढ़ाने पर एक राय बनी।

सास का शव बाथरुम में मिला, परिजनों ने बहू पर लगाया हत्या का आरोप

इंदौर। इंदौर के विजय नगर क्षेत्र में एक महिला की हत्या के आरोप में पुलिस ने उसकी बहू को हिरासत में लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। महिला का शव बाथरुम में मिला था। परिजनों ने आरोप लगाया कि बहू ने सास की गला घोट कर हत्या कर दी।

घटना श्रीराम नगर मे रहने वाले चौधरी परिवार की है। सुबह गोमती चौधरी का शव बाथरुम में मिला। उसके गले पर निशान थे। परिजनों को गोमती की मौत पर शंका हुई। उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस अफसरों को परिजनों ने कहा कि सास गोमती का बहू नेहा से अक्सर विवाद होता है। दो दिन से दोनों के बीच झगड़े चल रहे थे। शनिवार को नेहा छत पर आत्महत्या करने भी गई थी। इसकी जानकारी नेहा के परिजनों को भी दी गई थी। उनसे कहा गया था कि वे नेहा को थोड़े दिन के लिए ले जाए।

सास व बहू अकेली थी घर- सुबह ससुर कौशल और बेटा संदीप बाहर गए थे। घर पर सास और बहू अकेली थी। दो घंटे बाद ससुर घर लौटे तो गोमती बाथरुम में पड़ी मिली। उसकी सांस नहीं चल रही थी। संदीप और नेहा का सालभर पहले ही विवाह हुआ है। नेहा का संदीप के अलावा सास से भी विवाद होता था। वह अक्सर आत्महत्या की धमकी देती थी। सास के शव को पुलिस ने पोस्मार्टम के लिए एमवाय अस्पताल भेज दिया है।

आमजन के लिए उप निर्वाचन से संबंधित सुझाव अथवा शिकायत हेतु प्रेक्षकों के मोबाईल नंबर जारी

इंदौर। नगरीय निकायों के उप निर्वाचन वर्ष 2025 (पूर्वार्द्ध) हेतु निर्वाचन कार्यक्रम जारी किया गया है। इसी क्रम में नगर परिषद सांवेर जिला इन्दौर के वार्ड क्रमांक-07 के उप निर्वाचन वर्ष 2025 (पूर्वार्द्ध) हेतु निर्वाचन के संचालन के प्रेक्षण हेतु म.प्र. राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा प्रेक्षक श्री अरूण पाण्डेय, भा.प्र.से. (सेवानिवृत्त) मोबाईल नंबर 94250-36003 एवं नगर परिषद गौतमपुरा जिला इन्दौर के वार्ड क्रमांक-15 के उप निर्वाचन वर्ष 2025 (पूर्वार्द्ध) हेतु प्रेक्षक श्री मदन सिंह ठाकुर, रा.प्र.से. (सेवानिवृत्त) मोबाईल नंबर 6260716260, 9993137706 को नियुक्त किया गया है। अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राजेन्द्र रघुवंशी ने बताया कि आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार प्रेक्षक प्रथम चरण में 22 जून, 2025 को उपस्थित हो चुके हैं। प्रेक्षकगण 26 जून, 2025 तक निर्वाचन क्षेत्र के प्रवास पर रहेगें।

नगर परिषद सांवेर के वार्ड क्रमांक-07 के लिये नियुक्त प्रेक्षक श्री अरूण पाण्डेय, भा.प्र.से. (सेवानिवृत्त) मोबाईल नंबर 94250-36003 रेसीडेंसी इन्दौर में ठहरे हुए हैं। दोनों नगर परिषद के आमजन निर्वाचन से संबंधित कोई सुझाव अथवा शिकायत दर्ज कराना चाहते हो तो उल्लेखित मोबाईल नंबर पर प्रेक्षक से संपर्क कर सकते हैं।

गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं की समस्याओं के त्वरित समाधान के लिए कलेक्टर आशीष सिंह की अभिनव पहल

इंदौर। कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने आज इंदौर में गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं संबंधी समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी और सकारात्मक निराकरण के लिए अभिनव पहल करते हुए संयुक्त बैठक ली। इस बैठक में संबंधित गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं के पदाधिकारी-सदस्यों, नगर निगम, इंदौर विकास प्राधिकरण, सहकारिता आदि विभागों के अधिकारियों ने हिस्सा लिया। बैठक में विधायक श्री महेंद्र हार्डिया, नगर निगम आयुक्त श्री शिवम वर्मा, इंदौर विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री आर. पी. अहिरवार, उप पंजीयक सहकारिता श्री मदन गजभिए भी उपस्थित थे।

बैठक में देवी अहिल्या गृह निर्माण सहकारी संस्था, न्याय नगर गृह निर्माण सहकारी संस्था, रघुवंशी गृह निर्माण सहकारी संस्था, वेद माता गृह निर्माण सहकारी संस्था, ग्रीन पार्क गृह निर्माण सहकारी संस्था, मजदूर पंचायत गृह निर्माण सहकारी संस्था, नवभारत गृह निर्माण सहकारी संस्था एवं जागृति गृह निर्माण सहकारी संस्था संबंधी समस्याओं के निराकरण के संबंध में चर्चा कर महत्वपूर्ण निर्णय लिये गये।

बैठक में कलेक्टर श्री आशीष सिंह ने उपरोक्त एक-एक गृह निर्माण सहकारी संस्थाओं की समस्याओं और उनके निराकरण के संबंध में विस्तार से चर्चा की। उन्होंने संस्थाओं के सदस्यों को आश्वस्त किया कि विधिक तरीके से आगे बढ़कर सभी पात्र सदस्यों को उनका अधिकार दिलाया जाएगा।

रतनतलाई तालाब के पुनर्जीवन की दिशा में बड़ा कदम, सांवेर क्षेत्र को मिली 71.57 लाख की सौगात

इंदौर। जल संरक्षण और पर्यावरणीय पुनर्उद्धार की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल के अंतर्गत जल संसाधन मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने आज सांवेर विधानसभा क्षेत्र स्थित रतनतलाई तालाब के जीर्णोद्धार कार्य का लोकार्पण किया। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेशभर में चल रहे जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत इस तालाब का कायाकल्प किया गया है। इस अवसर पर मंत्री श्री सिलावट ने कहा कि रतनतलाई तालाब का पुनर्जीवन जल संरक्षण, सिंचाई सुविधा, पर्यावरण संतुलन और स्थानीय पर्यटन को बढ़ावा देने की दृष्टि से अत्यंत उपयोगी सिद्ध होगा।

रतनतलाई तालाब का निर्माण वर्ष 1972 में जल संसाधन विभाग द्वारा किया गया था। वर्षों से अनुपयोगी हो चुके इस तालाब की जलग्रहण क्षमता 0.24 मिलियन घनमीटर और सिंचाई क्षमता 40 हेक्टेयर है। इस पारंपरिक जल स्रोतों को पुनर्जीवित करने के लिए वर्ष 2023 में 40.30 लाख रुपए की लागत से मरम्मत कार्य शुरू किए गए थे।

जिसमें पाल पर मिट्टी भराव, स्लूस गेट एवं वेस्ट वियर निर्माण और लगभग 400 मीटर पिचिंग कार्य किए गए। इसके उपरांत वर्ष 2024 में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों की मांग पर जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत 71.57 लाख रुपए की अतिरिक्त राशि स्वीकृत की गई।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव के नेतृत्व में होगा RISE 2025 कॉन्क्लेव का आयोजन

इंदौर। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में 27 जून को रतलाम में आयोजित होने जा रहा RISE 2025 कॉन्क्लेव, सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) क्षेत्र में नए युग की शुरुआत करेगा। यह आयोजन प्रदेश में उद्यमिता, रोजगार और नवाचार की दिशा में सरकार की प्रतिबद्धता का सशक्त उदाहरण बनेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव इस अवसर पर 350 करोड़ रूपये से अधिक लागत की 35 से अधिक औद्योगिक अधोसंरचना परियोजनाओं, क्लस्टरों और विभागीय भवनों का भूमि-पूजन और लोकार्पण करेंगे। साथ ही 1500 करोड़ रूपये से अधिक निवेश की 50 नई औद्योगिक इकाइयों की आधारशिला भी रखी जाएगी। प्रदेश में युवाओं को रोजगार से जोड़ने की दिशा में यह कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा 500 उद्यमियों को आशय पत्र और भूमि आवंटन प्रदान किया जाएगा। साथ ही 500 आकांक्षी युवाओं को रोजगार के ऑफर लेटर सौंपे जाएंगे। लोकमाता देवी अहिल्याबाई प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 100 से अधिक लाभार्थियों को अनुदान राशि वितरित की जाएगी। कार्यक्रम में ओएनडीसी, एनपीसीआई और वालमार्ट जैसी राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं के साथ महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापनों (रूम्ह्य) पर हस्ताक्षर किए जाएंगे।

hindkush.in
24x7 News portal
दैनिक हिन्दकुश
jagrayam.com
online news magazine
सर्वे भवन्तु सुखिनः
भोपाल, इंदौर, उजैन, से प्रकाशित

संपादक मंडल

श्री संजय ज्ञानी, संपादकीय सलाहकार
श्री संजय व्यास, संपादकीय सलाहकार डिजिटल
सुश्री परम चैतन्य, कार्यकारी संपादक
डॉ. चमन सिंह राजौरा, उप संपादक
श्री आशीष उपाध्याय, विशेष संवाददाता व विधि सलाहकार
श्री भुवनेश भार्गव, विशेष संवाददाता
श्री शिरीष राव मोरे, ब्यूरो प्रमुख
श्री नरेन्द्र राठौर, संवाददाता
श्री धर्मेंद्र राठौर, संवाददाता
श्री कौशल कांतिदास वैरागी, विशेष प्रतिनिधि

वन्दे देव उमापतिम सुरगुरुं वन्दे जगत् कारणं, वन्दे पन्नग भूषणं मृग्धरम
वन्दे पशूनाम्पतिम, वन्दे सूर्य शशांक वहिनयनम वन्दे मुकुंदप्रियम,
वन्दे भक्त जनाश्रयम च वरदम वन्दे शिवम् शंकरं !
भूतभावन बाबा श्री महाकालेश्वर भगवान सभी को आरोग्यता प्रदान करें ।

27 जून को उज्जैन में निकलेगी इस्कॉन की 19वीं भगवान जगन्नाथ रथ यात्रा

उज्जैन। विक्रमादित्य शोध संस्थान एवं फेडरल बैंक के संयुक्त तत्वावधान में इस्कॉन-उज्जैन द्वारा भगवान जगन्नाथ की 19वीं रथ यात्रा का 27 जून को निकाली जाएगी। यह रथयात्रा इस वर्ष विशेष रूप से भव्य और ऐतिहासिक होने जा रही है क्योंकि इस बार एक नहीं, तीन रथों तालध्वज (बलराम जी), दर्पदलन (सुभद्रा जी) और नंदीघोष (जगन्नाथजी) के साथ रथ यात्रा नगर भ्रमण हेतु निकलेगी।

रथों की ऊँचाई 21 से 25 फीट तक होगी। साथ ही झांकियां, घोड़े, हाथी, बैलगाड़ी, लाइव प्रसारण वैन एवं नृत्य मंडलियों के साथ भव्य शोभायात्रा आकर्षण का केंद्र रहेगी। नगर के प्रमुख मार्गों पर सत्कार मंच, सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ अहीर, गोंड व कोरकू जनजातीय नृत्य करते चलेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव रथयात्रा में मुख्य अतिथि के रूप में रहेंगे। डॉ. यादव रथ का विधिवत पूजन कर अगवानी करेंगे। यात्रा मंडी चौराहा से प्रारंभ होकर चामुंडा माता चौराहा, टावर, तीन बत्ती, देवास रोड होती हुई कालिदास अकादमी स्थित गुंडिचा पहुंचेगी।

कालिदास अकादमी परिसर में भव्य गुंडिचा मंदिर की स्थापना होगी। जहां गुंडिचा उत्सव व सांस्कृतिक पर्व 27 जून से 5 जुलाई तक मनाया जाएगा। प्रतिदिन आरती, कथा, कीर्तन, प्रसाद वितरण व सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ होंगी। मैथली ठाकुर सहित राष्ट्रीय स्तर के कलाकारों की प्रस्तुति होंगी। भगवान 7 दिनों तक गुंडिचा मंदिर में विश्राम करेंगे, 5 जुलाई को वापसी रथ यात्रा निकाली जाएगी।

मध्यप्रदेश में 42 स्थानों पर निकाली जाएगी इस्कॉन द्वारा रथ यात्राएं 2007 में भक्ति चारु स्वामी महाराज द्वारा प्रारंभ की गई रथ यात्रा आज वैश्विक पहचान बना चुकी है। उज्जैन में भगवान जगन्नाथ की यह उपस्थिति एक ऐतिहासिक पुनर्मिलन है। जहाँ सतयुग के इंद्रद्युम्न महाराज की राजधानी थी, वहीं आज रथ खिंचता है।

इस वर्ष मध्यप्रदेश के 42 स्थानों पर इस्कॉन द्वारा रथ यात्राएं आयोजित की जा रही हैं, जो 26 जिलों को कवर करेंगी इस्कान उज्जैन के भक्ति प्रेम स्वामी महाराज के मार्गदर्शन में 34 जगह पर रत्यात्राओं का प्रवर्तन होगा। इस बार रथ यात्रा पर्यावरण संरक्षण एवं समरसता के संदेश के साथ निकलेगी। जिसमें सभी श्रद्धालुजन एवं नगरवासी इस दिव्य एवं ऐतिहासिक रथ यात्रा में सहभागी बनने हेतु सादर आमंत्रित हैं।

शिक्षा से सेवा तक, अक्षत इंटरनेशनल स्कूल का 14 साल का प्रेरणादायक सफर

उज्जैन। 23 जून को अक्षत इंटरनेशनल स्कूल परिसर में 14वां स्थापना दिवस हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। यह अवसर विद्यालय के गौरवशाली सफर और सतत विकास की प्रेरक कहानी को दर्शाने वाला रहा।

कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पितृ पुरुष बी.के. पंडया थे एवं विशेष अतिथि वी. कान्ताराव तमिल हिंदी तेलगु लेखक एवं रिटा. रीजनल डेवलप्मेंट ऑफिसर एलआईसी, एम. पी. अग्निहोत्री रिटा. रीजनल मेनेजेर एलआईसी एवं अरुण वैध रिटा. चीफ मेनेजेर एलआईसी थे। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण रहा नई प्रयोगशालाओं के भवन का उद्घाटन, जिसे विद्यालय के प्रबंधन द्वारा विद्यार्थियों को आधुनिक शिक्षा सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम बताया गया। यह नवीन प्रयोगशालाएं विज्ञान, गणित व तकनीकी विषयों की बेहतर समझ के लिए अत्याधुनिक संसाधनों से युक्त हैं। स्थापना दिवस के अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की भावना को भी प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें विद्यार्थियों, शिक्षकों और अतिथियों ने मिलकर दर्जनों पौधे रोपे और हरियाली का संकल्प लिया। मुख्य अतिथि बी. के. पंडया ने अपने उदबोधन में स्कूल के निरंतर विकास एवं शिक्षा के क्षेत्र में अपने योगदान पर प्रशंसा की। विद्यालय के संस्थापक आनंद पंड्या ने अपने संबोधन में सभी अभिभावकों, शिक्षकों और विद्यार्थियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए कहा, यह यात्रा शिक्षा की लौ को निरंतर प्रज्वलित रखने की है और आने वाले वर्षों में हम और भी ऊँचाइयाँ छूने का लक्ष्य रखते हैं।÷ इस समारोह ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया कि अक्षत इंटरनेशनल स्कूल सिर्फ शिक्षा का ही नहीं, बल्कि संस्कृति और सामाजिक मूल्यों का भी एक मजबूत स्तंभ है।

लोकतंत्र सेनानी संघ 25 जून को मना रहा संविधान हत्या दिवस

उज्जैन। आपातकाल के 50 वर्ष पूरे होने पर लोकतंत्र सेनानी संघ द्वारा 25 जून को संविधान हत्या दिवस मनाया जा रहा है।

लोकतंत्र सेनानी संघ उज्जैन के अनिल व्यास ने बताया कि इस आपातकाल ने देशवासियों के मूल अधिकार छीन लिये। भारत के इतिहास में कांग्रेसियों ने संविधान में संशोधन कर 1971 में आंतरिक सुरक्षा अधिनियम कानून (काला अध्याय) लागू किया जिसमें दो स्वतंत्रता सैनानी भी शहीद हुए। डॉ. बंशीलालजी व्यास उज्जैन और जय प्रकाश नारायण दिल्ली सम्पूर्ण क्रांति अभियान की भेंट चढ़ गये। आपातकाल हटाओं, काला कानून हटाओं, कहते रह गये। राजनारायणजी ने याचिका लगाकर इंदिरा गांधी का चुनाव अवैध घोषित करवाया।

जैन कवि संगम ने किया युवा रचनाकारों का सम्मान

उज्जैन। जैन कवि संगम के संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष देश के प्रसिद्ध गीतकार डॉ. नरेंद्रपाल जैन के मुख्य आतिथ्य में उज्जैन में जैन कवि संगम मध्य प्रदेश इकाई द्वारा काव्य संध्या का आयोजन किया गया जिसमें दो युवा रचनाकारों को सम्मानित किया।

काव्य संध्या की अध्यक्षता जैन कवि संगम मध्य प्रदेश के अध्यक्ष सुगनचंद जैन ने की। विशेष अतिथि हास्य कवि राजेंद्र जैन रहे। काव्य संध्या का शुभारंभ अतिथियों द्वारा माँ शारदे के चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। प्रारंभ में डॉ खुशबू बाफना द्वारा सरस्वती वंदना की गई। तत्पश्चात अतिथियों के उद्बोधन के बाद डॉ. खुशबू बाफना एवं ऋषभ जैन प्रखर का माला पहनाकर, शाल, श्रीफल, स्मृति चिन्ह एवं प्रत्येक को 2500 रूपये की प्रोत्साहन राशि भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. नरेंद्रपाल जैन ने कहा कि प्रतिवर्ष दो युवा रचनाकारों को प्रोत्साहित एवं सम्मानित किया जाएगा। इस अवसर पर जैन को डॉक्टरेट की डिग्री प्राप्त होने पर सम्मान किया गया। डॉ. अंशुल जैन आराध्यम जो जैन दर्शन के बड़े गीतकार हैं, उनकी विशेष उपस्थिति पर उनको भी सम्मानित किया गया। काव्य संध्या में डॉ. अमरीश जैन, अमित जैन, भारती जैन, डॉ. अर्चना बाफना, संगीता तल्लेरा, डॉ खुशबू बाफना राकेश जैन, डॉ अंशुल जैन आराध्यम, ऋषभ जैन प्रखर, अनिल पांचाल सेवक, योगेंद्र बैनाड़ा, राजेंद्र जैन, राजेश जैन अजन्ता, सुगनचंद जैन, डॉ. नरेंद्रपाल जैन आदि ने काव्य पाठ किया। सम्पूर्ण काव्य संध्या राष्ट्रभक्ति एवं सिंदूर स्वाभिमान पर केंद्रित रही। कार्यक्रम का संचालन योगेंद्र बैनाड़ा ने किया तथा आभार सुगनचंद जैन ने व्यक्त किया।

पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा ने रैली निकाल कर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर उज्जैन को सौंपा

उज्जैन। अखिल भारतीय राज्य पेंशनर्स फेडरेशन के राष्ट्रीय आव्हान पर प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन उज्जैन एवं पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा उज्जैन के अगुवाई में आज दिनांक 23 जून 2025 सोमवार को सिंहस्थ मेला कार्यालय पर पेंशनर्स ने एकत्र होकर वहां से कलेक्टर कार्यालय तक रैली निकाली ।दोपहर 1 बजे प्रशासनिक संकुल, कोठी, उज्जैन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन कलेक्टर उज्जैन के प्रतिनिधि एल.एन.गर्ग राजस्व अनुविभागीय अधिकारी उज्जैन नगर को सौंपा गया। ज्ञापन वाचन अशोक दुबे ने किया। ज्ञापन में मार्च 2025 में केंद्र सरकार द्वारा पेंशनर्स के हितों पर कुठाराघात करने वाले केन्द्र सरकार द्वारा संसद से माह मार्च 2025 में पारित कराए गए वित्त विधेयक का विरोध किया गया। इस काले कानून का पुरे देश में पेंशनर्स द्वारा तीव्र विरोध करते हुए काले कानून को वापस लेने की मांग की गई है। पारित कराए गए वित्त विधेयक से पेंशनर्स में विभेद किया गया है। जो कि उच्चतम न्यायालय के पेंशनर्स के लिए दिए गए निर्णयों एवं निर्देशों के विपरित है।

प्रस्तावित आंठवे वेतनमान की अनुशंसाओं का लाभ प्रदान करने में केन्द्र सरकार पेंशनर्स में भेदभाव करेंगी। इसके विरोध में पुरे देश में एक साथ दिनांक 23 जून 2025 सोमवार को पेंशनर्स संगठनों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम संबोधित ज्ञापन सौंपने की कार्यवाही की गई। रैली में प्रमुख पेंशनर्स ऐसोसिएशन, पेंशनर्स संयुक्त मोर्चा में सम्मिलित अन्य सहयोगी पेंशनर्स संगठनों म.प्र. विधुत मंडल पेंशनर्स एसोसिएशन, नगर निगम पेंशनर्स एसोसिएशन एवं म.प्र. राज्य कर्मचारी संघ तथा भारतीय मजदूर संघ के शमशेर सिंह तोमर, कोमल भुतड़ा, सतीश शर्मा, मनोहर गिरी, दिनेश सोलंकी, मंजुलता भाटी, अभय जैन, जगदीश शर्मा, भगवान सिंह उपाध्याय, उमेशचन्द्र गुप्ता, आनंदी लाल ठक्कर, डॉ पवन व्यास, कैलाश पाठक, केशव जोशी पेंशनर्स, कर्मचारी एवं श्रमिक पदाधिकारीयों सहित 250 से अधिक पेंशनर्स उपस्थित रहे। आभार प्रदर्शन चंद्रशेखर जोशी ने प्रकट किया। यह जानकारी डॉ. स्वामीनाथ पांडेय एवं आर के चेलावत मिडिया प्रभारीद्वय द्वारा दी गई।

राज्य स्तरीय जूनियर बास्केटबॉल चैंपियनशिप के लिए टीम चयनित

उज्जैन। मध्य प्रदेश बास्केटबॉल एसोसिएशन के तत्वावधान में आईटीएम यूनिवर्सिटी ग्वालियर द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय जूनियर बास्केटबॉल चैंपियनशिप के लिए उज्जैन कॉरपोरेशन एरिया बास्केटबॉल एसोसिएशन के बालक एवं बालिका वर्ग की टीमों की घोषणा कर दी गई है।

संगठन की सचिव ऋचु शर्मा ने बताया कि प्रतियोगिता के लिए उज्जैन संभाग के बीच दोनों क्वालीफाई राउंड में उज्जैन की बालक एवं बालिका दोनों टीमों ने क्वालीफाई किया है। टीम ग्वालियर में 24 जून से 28 जून तक आयोजित प्रतियोगिता में भाग लेगी। टीम में बालक वर्ग में अमर्त्य उपाध्याय (कप्तान), तनिष्क पांचाल, आदित्य पांचाल, लारेब खान, फेज कुरैशी, कुणाल अग्निहोत्री, अरनव पांचाल, राघव सिंह, अक्षत जायसवाल, प्रीतम डामोर, सुर्यास्त पाल है। कोच शैलेंद्र टाइट्स व मैनेजर विनोद पांचाल, बालिका वर्ग इशिका मंगरोले (कप्तान), निहारिका मोदे, नीतिका सोनी, सानिया प्रधान, वृतिका कुरेल, अपराजिता चतुर्वेदी, अनन्या जैन, आध्या सक्सेना, रौली पंड्या, वैष्णवी गुप्ता, तेजस्वी मंगरौले, कोच शैलेंद्र टाइट्स, प्रबंधक मौल श्री अग्रवाल है। उपरोक्त दोनों टीमों को प्रतियोगिता में श्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए संघठन की अध्यक्ष ज्योति शर्मा, प्रशिक्षक मनीषा पँवार आदि। प्रगति जैन समीक्षा भदौरिया, प्रियंका संत ने शुभकामनाएं दी।

स्वामी हिन्दकुश मीडिया के लिए संपादक, प्रकाशक, मुद्रक श्रीमती सीमा वशिष्ठ द्वारा 124, महाश्वेता नगर उज्जैन, (म.प्र.) से प्रकाशित तथा 6 निर्माण नगर उज्जैन, (म.प्र.) से मुद्रित, मो. 09826322221, परम चैतन्य 09329640700 Email : hindkushmedia@gmail.com